आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 121 | उज्जैन, मंगलवार 25 मार्च 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

जड़ों से जुड़े रहकर ही विकास पथ पर बढ़ा जा सकता है आगे : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव नई दिल्ली में डायमंड स्टेट अवॉर्ड से सम्मानित

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत सवा वर्ष में मध्यप्रदेश सरकार ने विरासत को साथ लेकर विकास के नए आयाम स्थापित किये हैं, जिससे उन्हें संतोष है। प्रदेश सरकार गरीब, युवा, महिला और किसान कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। इंदौर की हुकुमचंद मिल के श्रमिकों का कई वर्षों से लंबित भुगतान जहां एक ओर पूरा कर दिया गया है, वहीं दूसरी ओर राज्यों के साथ सौहार्दपूर्ण संबंधों के आधार पर 20 वर्ष पुरानी पार्बती-कालीसिंध-चंबल नदी जोड़ो परियोजना भी मूर्त रूप ले रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना में प्रदेश के शहरी क्षेत्रों में साढ़े आठ लाख आवास और ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 36 लाख आवास में गृह प्रवेश करवाया जा चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जड़ों से जुड़े रहकर ही विकास पथ पर आगे बढ़ा जा सकता है। उन्होंने ये विचार रविवार को दिल्ली में एक निजी समाचार चैनल द्वारा आयोजित डायमंड स्टेट्स समिट कार्यक्रम में व्यक्त किए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि 2000 वर्ष पूर्व सम्राट विक्रमादित्य ने वीरता, न्यायप्रियता और दानशीलता से शासन की व्यस्थाओं का संचालन किया और विदेशी आक्रांताओं से स्वतंत्रता दिलाकर सुशासन स्थापित किया, जो प्रदेश की गौरवशाली विरासत है। विक्रम संवत का प्रवर्तन इसी गौरवशाली परंपरा का हिस्सा है। सम्राट विक्रमादित्य ने अपने राज्य में जनता का कर्ज माफ किया और बिना ब्याज का धन जनता को उपलब्ध कराया। उनके पुरुषार्थ के विभिन्न आयामों का उत्सव मनाने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार आगामी 12 से 14 अप्रैल तक दिल्ली में विक्रमादित्य महानाट्य का आयोजन करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि उज्जैन महाकाल और काल की नगरी है। यहां पृथ्वी 23.6 अंश पर झुकी हुई है जो इसे कालगणना के लिए सर्वोत्तम स्थल बनाती है। उज्जैन को विश्व का मीन टाइम बनाने के उद्देश्य से यहां वैदिक घड़ी की स्थापना की गई है, जो भारतीय ज्ञान की गौरवशाली परंपरा को पुनर्स्थापित करेगी।

न्यायिक प्रणाली पर कम हो रहा भरोसा, कपिल सिब्बल का बड़ा बयान; जज के घर कैश मामले में क्या कहा?

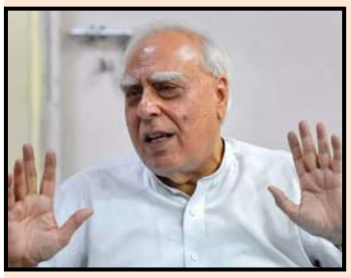

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यायिक प्रणाली के प्रति लोगों का विश्वास कम होने का दावा करते हुए राज्यसभा सदस्य कपिल सिब्बल ने कहा है कि विकल्प तभी मिल सकते हैं, जब सरकार और न्यायपालिका दोनों यह स्वीकार करें कि न्यायाधीशों की नियुक्ति सहित मौजूदा प्रणालियां कारगर नहीं रह गई हैं।

सिब्बल ने एक साक्षात्कार में न्यायिक प्रणाली की खामियों के बारे में बात की। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि किस तरह जिला और सत्र न्यायालयों द्वारा ज्यादातर मामलों में जमानत नहीं दी जा रही है।

जज के घर कैश मिलने पर नहीं की टिप्पणी- हालांकि, सिब्बल ने दिल्ली हाई कोर्ट के न्यायाधीश यशवंत वर्मा के आवास पर कथित रूप से भारी मात्रा में नकदी मिलने के मामले पर टिप्पणी करने से परहेज किया। कहा कि इस मामले से निपटने के लिए एक आंतरिक प्रक्रिया है। तथ्यों के अभाव में मुझे नहीं लगता कि इस देश के एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में मुझे इस पर टिप्पणी करनी चाहिए।

एएनआई के अनुसार, वरिष्ठ अधिवक्ता उज्ज्वल निकम ने जस्टिस यशवंत वर्मा मामले में सुप्रीम कोर्ट की आंतरिक जांच की सराहना करते हुए कहा कि पारदर्शिता न्यायपालिका की आत्मा है।

पीएलआई स्कीम का सबसे बड़ा लाभार्थी है तमिलनाडु, केंद्र से अनदेखी के दावों पर निर्मला सीतारमण ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा है कि तमिलनाडु को पीएलआई (उत्पादन से जुड़ी प्रोत्साहन) योजना से सबसे अधिक लाभ मिला है। राज्य इस योजना के सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक है। इसको इलेक्ट्रॉनिक्स और ऑटोमोबाइल क्षेत्रों में परियोजनाओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा मिला है।

उधर, द्रमुक की उप महासचिव और थूथुकुडी की सांसद कनिमोरी करुणानिधि ने तमिलनाडु के लिए फंड मांगने पर सीतारमण की टिप्पणियों की निंदा की है। बहरहाल, चेन्नई सिटिजेंस फोरम द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में सीतारमण ने उन दावों को खारिज कर दिया कि केंद्र सरकार ने वित्त पोषण के मामले में तमिलनाडु की अनदेखी की है।

तमिलनाडु को बताया लाभार्थी- उन्होंने कहा कि कई बड़ी परियोजनाओं की घोषणा की गई है और राज्य भर में विभिन्न चरणों में प्रगति हो रही है। वित्त मंत्री ने कहा, इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रॉनिक पा?र्ट्स और ऑटोमोबाइल में पीएलआई योजना के तहत तमिलनाडु सबसे बड़ा लाभार्थी रहा है।

जहां शूट हुआ था समय रैना का विवादित शो, अब वह स्टूडियो होगा बंद; कुणाल कामरा विवाद के बाद उठाया कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। पहले समय रैना के इंडियाज गॉट लैटेंज और अब कुणाल कामरा विवाद के बाद मुंबई के हैबिटेट स्टूडियो ने बंद करने का फैसला किया है। यह स्टूडियो स्टैंड-अप कॉमेडी की सबसे पसंदीदा जगह है। महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे पर कॉमेडियन कुणाल कामरा की विवादित टिप्पणी के बाद शिवसेना कार्यकर्ताओं ने यहां तोड़फोड़ की थी। हालांकि स्टूडियो के बयान से स्पष्ट है कि यह कदम अस्थायी रूप से उठाया गया है।

कामरा विवाद से स्टूडियो ने बनाई दूरी- स्टूडियो ने अपने एक बयान में कहा कि कुणाल कामरा के नए वीडियो को बनाने में वह शामिल नहीं था। उनकी टिप्पणियों का समर्थन भी नहीं करता है। हैबिटेट ने कुणाल कामरा के वीडियो पर माफी भी मांगी। अपने इंस्टाग्राम पोस्ट पर स्टूडियो ने लिखा कि हम हाल ही में अपने साथ हुई बर्बर घटना से स्तब्ध, चिंतित और बेहद टूट चुके हैं।

स्टूडियो ने आगे कहा कि कलाकार अपने विचारों और रचनात्मक विकल्पों के स्वयं जिम्मेदार हैं। हम कभी भी किसी कलाकार की प्रस्तुत सामग्री में शामिल नहीं रहे हैं। मगर हाल की घटनाओं ने हमें इस बारे में पुनर्विचार करने पर मजबूर किया कि कैसे हमें हर बार दोषी ठहराया जाता है और निशाना बनाया जाता है। ऐसा लगता है कि जैसे हम कलाकार के प्रतिनिधि हैं।

कॉमेडियन कुणाल कामरा का विवादों से पुराना नाता है। वह अक्सर राजनीति पर तीखे व्यंग्य कसते हैं। ताजा विवाद एकनाथ शिंदे पर की गई उनकी टिप्पणी से उपजा। साल 1997 में ब्लॉकबस्टर फिल्म दिल तो पागल है आई थी।

देश के 160 संस्थाओं को मिला FCRA सर्टिफिकेट, लिस्ट में सबसे आगे महाराष्ट्र

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश भर के कुल 160 संस्थाओं को 2025 में विदेशी योगदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) प्रमाण पत्र प्रदान किया गया है। इससे उन्हें अब कानूनी रूप से विदेशी धन प्राप्त करने की अनुमति मिल गई है। एफसीआरए प्रमाण पत्र प्राप्त करने वालों में दिल्ली का श्रीराम कॉलेज ऑफ कॉमर्स (एसआरसीसी) भी शामिल है।

गौरतलब है कि गृह मंत्रालय ने एफसीआरए के तहत आवेदनों की जांच करने के बाद ये प्रमाण पत्र जारी किए हैं। एफसीआरए एक भारतीय कानून है जो व्यक्तियों, कंपनियों और गैर सरकारी संगठनों, शैक्षणिक संस्थानों एवं अन्य संगठनों द्वारा विदेशी धन की स्वीकृति और उपयोग को नियंत्रित करता है।

एफसीआरए को यह सुनिश्चित करने के लिए लागू किया गया था कि विदेशी धन का उपयोग उचित और पारदर्शी रूप से किया जाता है, और भारत की संप्रभुता, अखंडता या आंतरिक सुरक्षा को नुकसान नहीं पहुंचता है। बहरहाल, आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार, एफसीआरए प्रमाण पत्र प्राप्त करने वालों राज्यों की सूची में महाराष्ट्र सबसे ऊपर है।

यहां 25 संस्थाओं को प्रमाण पत्र दिए गए हैं। इसके बाद 21 संस्थाओं के साथ तमिलनाडु का स्थान है। दिल्ली और कर्नाटक में 13-13 संस्थाओं, जबकि तेलंगाना के 12 संस्थाओं को प्रमाण पत्र प्राप्त हुए हैं। प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले अन्य महत्वपूर्ण राज्यों में गुजरात (11), पश्चिम बंगाल (आठ), और उत्तर प्रदेश (सात) शामिल हैं।

अब सरहद की निगरानी करेंगे रोबोट, इन क्षेत्रों में तैनाती की तैयारी

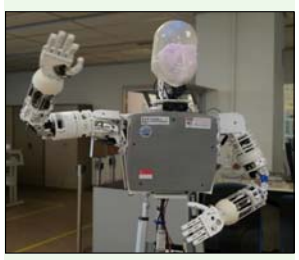

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश की सुरक्षा में रोबोट तैनात करने की तैयारी है। परिंदा भी रोबोट की पैनी निगाह से बच नहीं सकेगा। दुश्मनों के लिए देश की सुरक्षा में सेंध लगाना लगभग नामुमकिन होगा और घुसपैठ पर भी लगाम लगेगी।

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) गुवाहाटी के शोधकर्ताओं ने अत्याधुनिक रोबोट विकसित किए हैं। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) क्षमता से लैस ये रोबोट चुनौतीपूर्ण एवं दुर्गम सरहद की निर्बाध निगरानी करेंगे।

2025 तक भारत को टीबी मुक्त करने का लक्ष्य, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने की अपील; मेघालय ने उठाया बड़ा कदम

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने लोगों से भारत को क्षयरोग मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करने का आह्वान किया। इस लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में गुजरात सबसे आगे चल रहा है। जबकि मेघालय सरकार ने राज्य के 4500 क्षय रोग के मरीजों को गोद ले लिया है, ताकि सौ दिन के सघन अभियान में भारत को टीबी-मुक्त बनाया जाए।

विश्व क्षय रोग (टीबी) दिवस के लिए दिए अपने संदेश में राष्ट्रपति मुर्मु ने कहा कि इस दिन का उद्देश्य जनता को क्षयरोग के वैश्विक प्रभाव के बारे में जागरूक करना, बीमारी को नियंत्रित करने संबंधी चुनौतियों के बारे में जागरूकता बढ़ाना और इसे रोकने के प्रयासों का समर्थन करना है।

राष्ट्रपति ने की अपील- राष्ट्रपति ने कहा, यह दिन हमें क्षय रोग की शीघ्र पहचान, उपचार और रोकथाम के महत्व की भी याद दिलाता है। मैं सभी से भारत को क्षयरोग मुक्त बनाने के लिए मिलकर काम करने और इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सभी प्रयास करने का आह्वान करती हूं।

विश्व क्षय रोग दिवस हर साल 24 मार्च को क्षयरोग पर जन जागरूकता बढ़ाने के लिए मनाया जाता है। डॉ. राबर्ट कोच ने 1882 में इसी दिन क्षयरोग का कारण बनने वाले जीवाणु की खोज की थी। इसी तरह, गुजरात ने नीति आयोग के टीबी के खात्मे के लक्ष्य को 95 प्रतिशत तक हासिल कर लिया है। वह इस लक्ष्य को साधने में अव्वल प्रदेश रहा है।

2025 तक खत्म करने का लक्ष्य- पीएम मोदी ने भारत में ट्यूबरकुलोसिस को वर्ष 2025 तक खत्म करने का लक्ष्य रखा है। वहीं, भारत सरकार ने सितंबर, 2022 में निक्षय मित्र कार्यक्रम के तहत निजी स्तर पर, निजी संगठनों और सिविल सोसाइटी की मदद से ऐसे मरीजों को अंगीकार करना शुरू किया ताकि मरीजों को अतिरिक्त पोषण और इलाज के दौरान उचित देखभाल मिल सके।

लिहाजा, मेघालय ने टीबी के मरीजों का यूनिवर्सल निक्षय मित्र बनकर राज्य के सभी टीबी मरीजों को अंगीकार कर लिया है। इसीतरह मेघालय के ईस्ट खासी हिल्स में 33 वर्षीय रिडालिन शुलाई टीबी (एमडीआर-टीबी) से अपनी लड़ाई जीत चुकी हैं और स्वस्थ हैं। बीमारी की गंभीरता के कारण उनका बाईं तरफ का फेफड़ा बेकार हो चुका था।

कोर्ट ने PM के खिलाफ संसद के महाभियोग को किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। साउथ कोरिया की संवैधानिक अदालत ने प्रधानमंत्री हान डक-सू के महाभियोग को खारिज करने और उनकी शक्तियों को बहाल करने का फैसला सुनाया है। जो दो महीने से अधिक समय पहले कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में उनके महाभियोग के बाद देश की राजनीतिक उथल-पुथल में नया मोड़ है।

हान ने राष्ट्रपति यून सूक येओल का स्थान लेते हुए कार्यवाहक नेता का पदभार संभाला, जिन पर पिछले साल अल्पकालिक मार्शल लॉ की घोषणा के कारण महाभियोग चलाया गया था। इस सिलसिले में पिछले हफ्ते दक्षिण कोरिया के सोल में शनिवार को हजारों समर्थक और प्रदर्शनकारी इकट्ठा हुए थे।

प्रधानमंत्री हान दो सप्ताह से भी कम समय तक पद पर रहे और 27 दिसंबर को संवैधानिक न्यायालय में तीन और न्यायाधीशों की नियुक्ति से इनकार करने पर विपक्ष के नेतृत्व वाली संसद के साथ टकराव के बाद उन्हें महाभियोग लगाया गया और निलंबित कर दिया गया। न्यायालय के न्यायाधीशों ने महाभियोग को खारिज करने के लिए सात से एक के बहुमत से फैसला सुनाया।

75 वर्षीय हान ने रूढ़िवादी और उदारवादी दोनों ही तरह के पांच राष्ट्रपतियों के अधीन तीन दशकों से अधिक समय तक नेतृत्व के पदों पर काम किया था। फिर भी, विपक्ष के नेतृत्व वाली संसद ने उन पर मार्शल लॉ घोषित करने के यून के फैसले को विफल करने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाने का आरोप लगाया, एक आरोप जिसे उन्होंने नकार दिया।

राष्ट्रपति यून सुक येओल के खिलाफ महाभियोग संवैधानिक न्यायालय ने सोमवार को कहा कि उसने हान के महाभियोग को पलटने का फैसला किया है, कोर्ट ने अभी तक राष्ट्रपति यून के महाभियोग पर फैसला नहीं सुनाया है।

अब ऐसे में अगर न्यायालय यून के महाभियोग को बरकरार रखता है, तो दक्षिण कोरिया को नए राष्ट्रपति के लिए चुनाव कराना होगा।

अगर न्यायालय उनके पक्ष में फैसला सुनाता है, तो यून को पद पर बहाल कर दिया जाएगा और उन्हें राष्ट्रपति पद की अपनी शक्तियां वापस मिल जाएंगी।

राष्ट्रपति यून के बाद दक्षिण कोरिया की मुख्य विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी दिसंबर 2024 में प्रधानमंत्री और कार्यवाहक राष्ट्रपति हान डक-सू के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लेकर आई। पूर्व राष्ट्रपति यून सूक योल की ओर से लगाए गए मार्शल लॉ समर्थन करने और योल के खिलाफ जांच को मंजूरी न देने पर विपक्षी दल ने संसद में यह प्रस्ताव पारित किया था।

अमेरिका में अवैध रूप से रही महिला गिरफ्तार, ट्रंप को वोट करने वाले पति ने कहा– कोई पछतावा नहीं

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका में डोनाल्ड ट्रंप के समर्थन में विस्कॉन्सिन के ब्रैडली बार्टेल ने 2016 में वोट दिया था, लेकिन उनकी इन नीतियों का असर उनकी पत्नी पर पड़ता दिखाई दे रहा है। कानूनी रूप से अमेरिकी नागरिक बनने की प्रक्रिया में होने के बावजूद, उनकी पत्नी को सैन जुआन एयरपोर्ट पर इमिग्रेशन अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया है। इसको लेकर ब्रैडली बार्टेल ने कहा, उन्हें अपने फैसले पर कोई पछतावा नहीं है।

ब्रैडली बार्टेल की पत्नी कैमिला मुनोज जो पेरू की नागरिक हैं ने अपना वीजा खत्म होने के बाद भी अमेरिका में स्थायी निवास प्राप्त करने की दिशा में काम किया है। अपनी कठिनाइयों के बावजूद, बार्टेल अभी भी ट्रंप का समर्थन करते हैं, जिन्होंने अमेरिकी इतिहास में सबसे बड़े निर्वासन का संकल्प लिया है।

मैंने सिस्टम नहीं बनाया है बार्टेल ने बताया, मुझे वोट पर कोई पछतावा नहीं है।बार्टेल ने आगे कहा, उन्होंने सिस्टम नहीं बनाया, लेकिन उनके पास इसे सुधारने का अवसर है। उम्मीद है कि यह सारा ध्यान इस बात को सामने लाएगा कि यह कितना टूटा हुआ है।

वर्क-स्टडी वीजा पर विस्कॉन्सिन आई थीं पत्नी- मुनोज 2019 में वर्क-स्टडी वीजा पर विस्कॉन्सिन डेल्स पहुंचीं, जो कोविड-19 के कारण अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर रोक लगने के कारण समाप्त हो गया था। उन्होंने खेती और हॉस्पिटेलिटी में काम किया, जहां उनकी मुलाकात मिस्टर बार्टेल से हुई।

शुरू में उनका फोन नंबर खोने के बाद, बाद में उन्होंने फेसबुक पर उनसे फिर से संपर्क किया और उनके बीच एक गंभीर रिश्ता शुरू हुआ। इस कपल ने आखिरकार शादी कर ली, लेकिन महामारी के कारण अपने हनीमून में देरी कर दी।

मोहम्मद यूनुस के साथ बैठक करेंगे पीएम मोदी? बांग्लादेश की ओर से द्विपक्षीय वार्ता पर विचार कर रहा भारत

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार अब बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के बीच आगामी बिम्सटेक शिखर सम्मेलन में द्विपक्षीय बैठक के लिए बांग्लादेश की अपील पर विचार कर रही है। यह जानकारी विदेश मंत्री एस.जयशंकर ने एक संसदीय समिति की बैठक में सभी सदस्यों को दी है।

सूत्रों ने बताया कि विदेश मामलों की संसदीय सलाहकार समिति की शनिवार को इस वर्ष की पहली बैठक में कई सांसदों ने बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमलों पर चिंता जताई और पूछा कि भारत इस संबंध में क्या कदम उठा रहा है। तब जयशंकर ने सदस्यों को बताया कि ढाका की अंतरिम सरकार ने दावा किया है कि हिंदुओं पर हमले राजनीति से प्रेरित थे और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाकर नहीं किए गए थे।

यूनुस और पीएम मोदी की बैठक को लेकर क्या बोले एस जयशंकर - जयशंकर से जब पूछा गया कि क्या बिम्सटेक बैठक में पीएम मोदी की यूनुस से द्विपक्षीय बातचीत होने के आसार हैं? विदेश मंत्री ने इसका सीधा जवाब नहीं दिया और कहा कि युनूस का अनुरोध विचाराधीन है।

पहले दी वॉर्निंग, अब AI से ही मदद ले रही चीन की सेना; आखिर क्या है चिनफिंग का प्लान?

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीनी सेना ने एआई टूल डीपसीक का इस्तेमाल सैन्य अस्पतालों के साथ ही अन्य गैर-लड़ाकू सहायता कार्यों के लिए शुरू कर दिया है। यह शुरुआत विशेष रूप से सैन्य अस्पतालों में किया गया है, ताकि डॉक्टरों को उपचार योजना तैयार करने में सहायता मिल सके।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट ने कहा कि इस महीने की शुरुआत में पीएलए सेंट्रल थिएटर कमांड के जनरल अस्पताल ने घोषणा की थी कि उसने डीपसीक की तैनाती को अधिकृत किया है। अस्पताल ने रोगी की गोपनीयता और डाटा सुरक्षा पर भी जोर दिया है।

सैन्य अस्पतालों में तैनाती- देश भर के अन्य सैन्य अस्पतालों में भी इसी तरह की तैनाती देखी गई है, जिसमें बीजिंग स्थित पीएलए जनरल अस्पताल भी शामिल है, जिसे 301 अस्पताल के रूप में भी जाना जाता है। यहां वरिष्ठ चीनी अधिकारियों और सैन्य अधिकारियों को उपचार मिलता है और माना जाता है कि यहां अत्यधिक संवेदनशील व्यक्तिगत डाटा संग्रहीत किया जाता है।

हालांकि, इससे पहले चीनी सेना ने अपने सशस्त्र बलों को आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस पर बहुत अधिक निर्भर रहने के खिलाफ आगाह करते हुए कहा था कि इसे मार्गदर्शन उपकरण होना चाहिए।

अमेरिका के जंगलों में फिर भड़की आग, लगानी पड़ गई इमरजेंसी; इलाके को तुरंत खाली करने के आदेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के उत्तरी कैरोलिना में जंगल की आग भड़क उठी है। गंभीरता को देखते हुए यहां की एक काउंटी में लोगों को अनिवार्य रूप से निकालने के लिए मजबूर होना पड़ा। वहीं, दक्षिण कैरोलिना के गवर्नर ने बढ़ती जंगल की आग के कारण आपातकाल की घोषणा की।

आपातकालीन दल उस क्षेत्र में आग पर काबू पाने का प्रयास कर रहे हैं, जो अब भी तूफान हेलेन से उबर रहा है। यह क्षेत्र सितंबर में तूफान हेलेन से बुरी तरह प्रभावित हुआ था। तूफान ने 8,046 किलोमीटर सड़कों को क्षतिग्रस्त करने के साथ ही पुलों और पुलियों को नुकसान पहुंचाया था।

पोल्क काउंटी में अनिवार्य निकासी की घोषणा- उत्तरी कैरोलिना के सार्वजनिक सुरक्षा विभाग ने शनिवार रात 8:20 बजे (स्थानीय समय) से चार्लोट से लगभग 129 किलोमीटर पश्चिम में स्थित पश्चिमी उत्तरी कैरोलिना के पोल्क काउंटी के कुछ हिस्सों के लिए अनिवार्य निकासी की घोषणा की।

चेतावनी में कहा गया कि क्षेत्र में दृश्यता कम हो जाएगी और निकासी मार्ग अवरुद्ध हो सकते हैं। आप अभी नहीं निकलते हैं, तो फंस सकते हैं, घायल हो सकते हैं या मारे जा सकते हैं। वन सेवा के ऑनलाइन वाइल्डायर पब्लिक व्यूअर ने पोल्क काउंटी में तीन सक्रिय आग का संकेत दिया है, जिनमें से दो सबसे बड़ी 1,100 और 1,240 एकड़ के बीच फैली हुई थीं।

दो अन्य निकटवर्ती बर्क और मैडिसन काउंटियों में सक्रिय थीं। वर्जीनिया की उत्तरी सीमा पर स्टोक्स काउंटी में भी आग भड़क उठी है। दक्षिण कैरोलिना में गवर्नर हेनरी मैकमास्टर ने पिकेंस काउंटी में टेबल राक फायर नामक आग को रोकने के प्रयास के तहत आपातकाल की स्थिति घोषित की।

यमन पर अमेरिका की बड़ी कार्रवाई, सेना ने आसमान से बरसाए बम; हूती ने इजरायल पर बैलेस्टिक मिसाइल दागी

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजा, लेबनान और सीरिया में फिर शुरू हुए इजरायली हमलों के बाद अमेरिका अपना दूसरा विमानवाहक युद्धपोत यूएसएस हैरी एस ट्रूमैन को पश्चिम एशिया भेज रहा है।

जबकि यमन के नजदीक लाल सागर में अमेरिकी विमानवाहक पोत यूएसएस कार्ल विंसन अपने विध्वंसकों के साथ पहले से तैनात है। इस बीच अमेरिकी सेना ने रविवार को एक बार फिर हूती विद्रोहियों के कब्जे वाले यमन पर हवाई हमले किए।

होदेदा हवाई अड्डे को बनाया निशाना- इस बार होदेदा शहर के हवाई अड्डे को निशाना बनाया गया और वहां पर कुछ देर के अंतर पर तीन बार हमले किए गए। अमेरिकी विमानों ने सहर और किताफ शहरों पर भी बमबारी की। इसी प्रकार से मारिब प्रांत के मजार शहर पर भी हमले हुए।

सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन चैनल अल अरेबिया और अल हादत ने बताया है कि अमेरिकी हमले में हूती की नौसेना का कमांडर मंसूर अल-सादी मारा गया है। अमेरिका ने कहा है कि हमलों में हूती के अड्डों को निशाना बनाया गया है।

हाउती का इजरायल पर मिसाइल हमला- रविवार को ही हूती विद्रोहियों ने यमन से इजरायल पर बैलेस्टिक मिसाइल हमला किया। हूती ने बताया है कि तेल अवीव के बेन गुरियन हवाई अड्डे को निशाना बनाकर दागी गई मिसाइल से हुए नुकसान का पता नहीं चला है।

लेकिन उसके चलते इजरायल का हवाई यातायात आधा घंटे से ज्यादा ठप रहा।

ट्रंप की धमकियों के बीच कनाडा में चुनाव का एलान, 28 अप्रैल को डाले जाएंगे वोट

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने अचानक देश में 28 अप्रैल को चुनाव कराने की घोषणा की। उन्होंने ये फैसला ऐसे समय पर लिया है, जब ट्रंप लगातार कनाडा पर टैरिफ लगाने की धमकी दे रहे हैं।

कनाडा के पीएम ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा उत्पन्न खतरे से निपटने के लिए हमें एक मजबूत जनादेश की आवश्यकता है।

कनाडा और अमेरिका के रिश्तों में तनाव- कनाडा के नए प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बयान से साफ पता चल रहा है कि अमेरिका और कनाडा के बीच संबंध किस हद तक खराब हो गए हैं। दोनों देश कुछ समय पहले तक पुराने सहयोगी और प्रमुख व्यापारिक साझेदार हुआ करते थे।

हाल में ही डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बनाने की धमकी दी थी। माना जा रहा है कि ट्रंप की इस धमकी के बाद दोनों देशों के बीच संबंध खराब हुए हैं।

14 मार्च को पीएम बने थे मार्क कार्नी- जानकारी के अनुसार एक पीसी के दौरान कनाडा के पीएम ने कहा कि डोनाल्ड ट्रंप की अनुसचित कार्रवाइयों और हमारी संप्रभुता के प्रति उनकी धमकियों के कारण हम अपने जीवन के सबसे बड़े संकट का सामना कर रहे हैं।

जुगनू की कुछ औलादों ने, महाराणा सांगा विवाद में कुमार विश्वास की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश से समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने महाराणा सांगा पर विवादित टिप्पणी कर उन्हें गद्दार और देशद्रोही कहा। उनके इस विवादित टिप्पणी के बाद बीजेपी और राजपूत समाज के लोगों में बेहद नाराजगी है। बीजेपी के कई नेताओं ने रामजीलाल सुमन की टिप्पणी की निंदा की है।

अब इस विवाद में कवि कुमार विश्वास की एंट्री हो गई है।कुमार विश्वास ने कहा कि जुगनू की कुछ औलादों ने सूरज एक ऊपर प्रश्न खड़े किए हैं। कुमार विश्वास ने सोशल मीडिया पर प्लेटफॉर्म एक्स पर एक कविता भी लिख दी और पोस्ट किया।

जानिए क्या है पूरा मामला- दरअसल, समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन ने हाल के दिनों में राज्यसभा में बाबर के मुद्दे का जिक्र किया। सपा सांसद ने कहा था कि बाबर ने राणा सांगा के निमंत्रण पर ही आक्रमण किया था। उन्होंने कहा कि इब्राहिम लोधी को हराने के लिए बाबर को बुलावा भेजा गया था। सपा सांसद ने महाराणा सांगा को गद्दार और देशद्रोही करार दे दिया, इसके बाद बीजेपी के नेताओं ने उनके बयान की कड़ी निंदा की।

इस पूरे विवाद में कवि कुमार विश्वास भी कूद पड़े हैं। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट के माध्यम से कहा कि जुगनू की कुछ औलादों ने सूरज एक ऊपर प्रश्न खड़े कर रहे हैं। कुमार विश्वास ने महाराणा सांगा पर एक कविता भी लिख दी।

सांसद के बचाव में आए अखिलेश- हालांकि, सपा मुखिया अखिलेश यादव अपने सांसद के बचाव में नजर आए। अखिलेश यादव ने कहा कि अगर बीजेपी के नेता इतिहास के पन्ने को पलट सकते हैं, तो रामजीलाल सुमन ने इतिहास के एक पन्ने का ही उल्लेख किया।

केरल भाजपा को मिला नया अध्यक्ष, पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर संभालेंगे कमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केरल भाजपा को अपना नया अध्यक्ष मिल गया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर को केरल भाजपा का अध्यक्ष चुन लिया गया है। पार्टी के केंद्रीय पर्यवेक्षक प्राहलाद जोशी ने भाजपा की राज्य परिषद की बैठक के दौरान यह एलान किया। रविवार को पूर्व केंद्रीय मंत्री ने भाजपा मुख्यालय में दो सेटों में नामांकन दाखिल किया था। हालांकि उनके सामने कोई अन्य प्रत्याशी नहीं था।

पार्टी नेताओं ने सर्वसम्मति से राजीव चंद्रशेखर को अपना नया अध्यक्ष चुना। नेताओं का कहना है कि विभिन्न क्षेत्रों में उनका अनुभव केरल में भाजपा के उत्थान में तेजी लाने में मदद करेगा। पूर्व अध्यक्ष ने कहा कि वह अपनी नई भूमिका में चमक सकते हैं। एलान के दौरान भाजपा के सभी प्रमुख प्रदेश स्तरीय नेता, मौजूदा अध्यक्ष रहे के सुरेंद्रन और राज्य प्रभारी प्रकाश जावडेकर मौजूद रहे। के सुरेंद्रन ने मंच पर चंद्रशेखर को पार्टी का झंडा सौंपा और कहा कि भाजपा ने पिछले 10 वर्षों में केरल में अभूतपूर्व वृद्धि देखी है। 60 वर्षीय राजीव चंद्रशेखर के पास दो दशक का सियासी अनुभव है। उन्होंने इलेक्ट्रॉनिक्स, आईटी, कौशल विकास, उद्यमिता, जल शक्ति जैसे विभागों में केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में काम कर चुके हैं।

कौन हैं Rippling के को-फाउंडर Prasanna Sankar? पत्नी पर लगाया बेटे के अपहरण का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। चेन्नई के टेक एंटरप्रेन्योर प्रसन्ना शंकर इन दिनों चर्चा में हैं। हाल के दिनों में उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी कहानी को साझा किया है। इंजीनियर ने अपनी पत्नी पर कई गंभीर आरोप लगाए। उन्होंने एक पोस्ट में दावा किया कि वह अपनी पत्नी से अलग रह रहे हैं। उनका कहना है कि उनकी पत्नी अब तलाक के लिए एक बड़ी राशि की डिमांड कर रही हैं।

प्रसन्ना शंकर ने यह भी दावा किया कि उनकी पत्नी चेन्नई पुलिस के साथ मिलकर उन्हें परेशान कर रही है। दरअसल, शंकर सिंगापुर बेस्ड क्रिप्टो सोशल नेटवर्क ®&PPL.com के फाउंडर हैं। इससे पहले वह रिपलिंग नाम की एक कंपनी की भी स्थापना कर चुके हैं।

प्रसन्ना शंकर ने पत्नी पर लगाए कई आरोप

जानकारी दें कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर प्रसन्ना ने लिखा कि मेरा तलाक हो रहा है। मैं अभी चेन्नई पुलिस से भाग रहा हूं और तमिलनाडु के बाहर छिपा हूं। यही मेरी कहानी है। बता दें कि प्रसन्ना शंकर का जन्म चेन्नई में हुआ था और उन्होंने NIT त्रिचि से शिक्षा पूरी करने के बाद एक कंपनी खोलने का काम किया इसके बाद उन्होंने अमेरिका का रुख किया।

पत्नी पर लगाए अवैध संबंध के आरोप- प्रसन्ना शंकर ने हाल के दिनों में बताया कि जब उनको अपनी पत्नी के अवैध संबंधों के बारे में पता चला तो उल्टा उनकी पत्नी ने उन पर घरेलू हिंसा और प्रताड़ना का आरोप लगा दिया।

छात्रों की खुदकुशी के मामले पर सुप्रीम कोर्ट ने लिया बड़ा एक्शन, बना दी नेशनल टास्क फोर्स

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के बड़े-बड़े शैक्षणिक संस्थानों और कोचिंग हॉस्टल में बढ़ते स्टूडेंट्स की खुदकुशी के मामले पर सर्वोच्च न्यायालय ने चिंता जाहिर की। कोर्ट ने कैंपस में छात्रों की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए सुप्रीम कोर्ट के रिटायर्ड जज की अगुवाई में एक नेशनल टास्क फोर्स गठित कर दी है।

जस्टिस जेबी पारदीवाला की बेंच ने कहा कि पिछले दो महीने में कॉलेज के हॉस्टल में यौन शोषण और अन्य मामलों की वजह से छात्र खुदकुशी कर चुके हैं। 19 मार्च को गुजरात के लॉ यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट की खुदकुशी के मामले का भी जिक्र किया। बेंच में शामिल जस्टिस आर महादेवन ने कहा, हमें सुसाइड के पैटर्न पर चर्चा करनी चाहिए। हमें इस बात की चिंता है कि बहुत सारे छात्र भेदभाव, रैगिंग और यौन शोषण की वजह से जान दे देते हैं।

कोर्ट के आदेश में कहा गया है कि पूर्व सर्वोच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति एस रवींद्र भट टास्क फोर्स के अध्यक्ष होंगे, जबकि महिला और बाल विकास मंत्रालय के अलावा किसी राज्य के उच्च शिक्षा विभाग, सामाजिक न्याय और अधिकारिता तथा कानूनी मामलों के सचिव इसके सदस्य होंगे। पीठ ने कहा कि टास्क फोर्स एक व्यापक रिपोर्ट तैयार करेगा, जिसमें छात्रों द्वारा आत्महत्या करने के प्रमुख कारणों की पहचान, मौजूदा नियमों का विश्लेषण और सुरक्षा को मजबूत करने के लिए सिफारिशें शामिल होंगी।

टास्क फोर्स को अदालत ने दी विशेष ताकत- अदालत ने कहा कि अपनी रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया में टास्क फोर्स के पास किसी भी उच्च शिक्षण संस्थान का औचक निरीक्षण करने का अधिकार होगा। चार महीने के भीतर टास्क फोर्स एक अंतरिम रिपोर्ट पेश करेगा, जबकि अंतिम रिपोर्ट अधिमानतः आठ महीने के भीतर दायर की जाएगी।

जस्टिस वर्मा को इलाहाबाद HC भेजा जाए, SC कॉलेजियम ने की सिफारिश; सरकार जल्द लेगी फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास पर नकदी की जली हुई गड्डियों के मामले पर सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की बैठक में एक अहम फैसला लिया गया। कॉलेजियम ने जस्टिस यशवंत वर्मा को इलाहाबाद हाई कोर्ट भेजने पर सहमति जाहिर कर दी है।

बैठक के दौरान कॉलेजियम ने प्रस्ताव पारित करते हुए सरकार को सिफारिश भेज दी है। कोर्ट की वेबसाइट के अनुसार, जस्टिस वर्मा के तबादले का फैसला कॉलेजियम की पिछली बैठक में ही ले लिया गया था।

उम्मीद जताई जा रही है कि अगले एक या दो दिनों में सरकार इस पर अंतिम फैसला लेगी। गौरतलब है कि इलाहाबाद हाईकोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा इस सिफारिश की खिलाफत की गई है। बता दें कि इलाहाबाद हाई कोर्ट बार एसोसिएशन ने इस मामले के संदर्भ में जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग की मांग की थी।

बता दें कि शनिवार (22 मार्च) को सुप्रीम कोर्ट ने पुलिस और फायर ब्रिगेड से मिले सबूतों को अपनी वेबसाइट पर जारी किया। कोर्ट ने तस्वीरें और वीडियो जारी किए। इसी बीच जस्टिस यशवंत वर्मा के घर के पास से एक नया वीडियो सामने आया है। वीडियो में उनके घर के पास से जले हुए नोटों के नए सबूत मिले हैं। वीडियो में देखा जा सकता है कि 500 के आधे-अधूरे और फटी हालत में नोट पड़े हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस यशवंत वर्मा के आवास से करीब 15 करोड़ रुपए मिले।

होली के दिन जस्टिस वर्मा के दिल्ली स्थित सरकारी आवास 30 तुगलक रोड पर आग लगी थी। रात लगभग साढ़े 11 बजे ये आग लगी थी। जस्टिस वर्मा उस समय घर में नहीं थे। आग की खबर मिलते ही दमकल की गाड़ियां आवास पर पहुंची। जब फायर ब्रिगेड की टीम ने आग बुझाया तो वहां पर नोटों की गड्डियां बरामद हुई।

हालांकि, जस्टिस यशवंत वर्मा ने यहां अपने सरकारी आवास पर नोट बरामदगी विवाद में लगे आरोपों को बेबुनियाद बताया है।

सांसदों की बढ़ गई सैलरी, पेंशन और भत्ते में भी इजाफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने सांसदों के वेतन और भत्तों में बढ़ोत्तरी की है। इसके साथ ही पूर्व सांसदों के पेंशन में भी बढ़ोत्तरी हुई है। सबसे खास बात है कि यह बढ़ोत्तरी 1 अप्रैल 2023 से प्रभावी रहेगी। वेतन और भत्तों में इजाफा के बाद सांसदों को अब 1,24,000 रुपये मिलेंगे। इससे पहले सांसदों को 1 लाख रुपये मिलते थे।

वहीं, अब सांसदों का दैनिक भत्ता बढ़ाकर दो हजार से ढाई हजार कर दिया गया है। पूर्व सांसदों की पेंशन को 25 हजार से बढ़ाकर 31 हजार कर दिया गया है। बता दें कि ये बढ़ोत्तरी सांसद सदस्यों के वेतन, भत्ते और पेशन अधिनियम, 1954 द्वारा प्रदत्त शक्तियों के तहत की गई है।

अधिसूचना में क्या कहा गया- संसदीय कार्य मंत्रालय की ओर से सोमवार को जारी राजपत्र अधिसूचना में कहा गया कि पांच साल से अधिक की सेवा के प्रत्येक वर्ष के लिए अतिरिक्त पेंशन को 2,000 रुपये से बढ़ाकर 2,500 रुपये कर दिया गया है। संसद के चल रहे बजट सत्र के बीच सांसदों के वेतन, भत्ते और पेंशन में संशोधन की घोषणा की गई है।

मौजूदा और पूर्व सांसदों को दिए जाने वाले वेतन और भत्ते में पहले का संशोधन अप्रैल 2018 में घोषित किया गया था। 2018 में संशोधन में एक सांसद के लिए घोषित आधार वेतन 1,00,000 रुपये प्रति माह था। इस राशि को निर्धारित करने का उद्देश्य उनके वेतन को मुद्रास्फीति की दरों और जीवन यापन की बढ़ती लागत के अनुरूप लाना था।

वहीं, 2018 के संशोधन के अनुसार, सांसदों को अपने कार्यालयों को अद्यतन रखने और अपने संबंधित जिलों में मतदाताओं के साथ बातचीत करने की लागत का भुगतान करने के लिए निर्वाचन क्षेत्र भत्ते के रूप में 70,000 रुपये का भत्ता मिलता है।

मिलती हैं ये भी सुविधाएं- जानकारी दें कि सांसदों को कार्यालय भत्ता के रूप में 60,000 रुपये प्रतिमाह और संसदीय सत्रों के दौरान 2,000 रुपये दैनिक भत्ता मिलता है। अब इन भत्तों में भी बढ़ोत्तरी की जानी है। इसके अलावा सांसदों को फोन और इंटरनेट के इस्तेमाल के लिए सालाना भत्ता भी मिलता है। सांसद अपने और परिवार के साथ साल भर में कुल 34 फ्री उड़ान भर सकते हैं।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

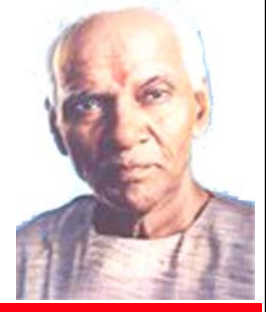

विक्रम संवत 2079 कृष्ण एकादशी

संपादकीय

उपयोग में लाई गई वस्तुओं को जब कचरे में बदलते हैं, तो फिर उनका क्या होता है?

बढ़ती जनसंख्या के साथ यह समस्या आम है कि उपयोग में लाई गई वस्तुओं को जब कचरे में बदलते हैं, तो फिर उनका क्या होता है? ठोस अपशिष्ट ऐसी ही चुनौतियों में शुमार है। इससे अनेक खतरे भी हैं। वैश्विक ताप में वृद्धि से दुनिया जूझ ही रही थी कि अब ठोस अपशिष्ट भी नई-नई शक्लो- सूरत में मुंह चिढ़ा रहा है। भारत में हरित विकास की अवधारणा अभी जोर नहीं पकड़ पाई है, जबकि दूसरी ओर ठोस कचरा तेजी पसर रहा है। नतीजा यह कि दुनिया एक नई समस्या की ओर बढ़ चली है। भारत में सालाना छह करोड़ बीस लाख टन कचरा उत्पन्न होता है। इसमें प्लास्टिक और चिकित्सीय जैव कचरा भी शामिल है। इसके अतिरिक्त खतरनाक अपशिष्ट उत्पादन लगभग अस्सी लाख टन है और पंद्रह लाख टन ई- कचरा भी एक बड़ी समस्या है।

अब यह भी समझना होगा कि आखिर ठोस कचरा होता क्या है। घर, ,कारोबार, उद्योग, संस्थाओं और कृषि से निकलने वाले बेकार या अवांछित ठोस या अर्ध ठोस पदार्थों को ठोस अपशिष्ट कहते हैं। ठोस अपशिष्ट में कई तरह पदार्थ शामिल होते हैं, जैसे कागज, प्लास्टिक, कांच, कार्डबोर्ड, खाद्य अपशिष्ट, उपकरण और निर्माण अपशिष्ट आदि । इसके अलावा, चिकित्सा जैव अपशिष्ट यानी अस्पतालों से निकलने वाला अपशिष्ट इलेक्ट्रानिक अपशिष्ट (ई-कचरा) मसलन, बैटरी, कंप्यूटर और मोबाइल फोन जैसी बेकार वस्तुएं। निर्माण स्थलों का मलबा, ,जिसमें ईंटें, सीमेंट और लकड़ी समेत रेडियोधर्मी अपशिष्ट जिसमें रेडियोधर्मी पदार्थ होते हैं जो गैस, तरल या ठोस रूप में हो सकते हैं।

संयुक्त राष्ट्र पर्यावरण कार्यक्रम (यूएनइपी) की वैश्विक अपशिष्ट प्रबंधन रपट 2024 के अनुसार, जैसे-जैसे देश अमीर होते जाते हैं, उद्योगीकरण और शहरीकरण की दर, आवास और खपत में वृद्धि होती है। यह अपशिष्ट 2030 तक ढाई अरब सवा तीन अरब टन और 2050 तक से अधिक तथा 2040 अन पौने चार अरब टन हो सकता है। आंकड़ों के 1 के मुताबिक, प्रति व्यक्ति ठोस कचरा उत्पादन में उत्तर अमेरिका अव्वल है, जबकि कुल ठोस अपशिष्ट के मामले में पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशिया पहले नंबर पर है। वैसे बीते ते कुछ वर्षों के आंकड़ों में चीन को विश्व स्तर पर सबसे अधिक प्रदूषक के 7 पहचाना गया है। चीन ने पिछले पंद्रह वर्षों में ठोस कचरे के संग्रह और प्रसंस्करण के बुनियादी ढांचे और सेवाओं में बड़े पैमाने पर निवेश किया है।

वर्ष 2022 में 175 देशों ने प्लास्टिक उत्पादन, उपयोग और निपटान से ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने के लिए 2024 तक प्लास्टिक प्रदूषण पर कानूनी रूप से बाध्यकारी समझौता विकसित करने पर सहमति व्यक्त की है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता कि ठोस अपशिष्ट धरती को एक नए नुकसान की ओर धकेल रहा है। स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी अपनी जगह हैं। मसलन, ठोस कचरा हवा और पानी में हानिकारक रसायन छोड़ सकता है, जिससे मस्तिष्क क्षति और कैंसर जैसी स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। ठोस कचरे को अनुचित तरीके से संभालने से चोट लग सकती है। ठोस अपशिष्ट जल आपूर्ति को दूषित कर सकता है, हवा को प्रदूषित कर सकता है और भूमि को भी खराब कर सकता है। इतना ही नहीं, इसके खराब प्रबंधन से हैजा, मलेरिया और डेंगू जैसी बीमारियां फैल सकती हैं। ठोस कचरे का अनुचित निपटान जलवायु संकट बढ़ा सकता है। खतरनाक कचरे में पेंट, सालवेंट, आटोमोटिव अपशिष्ट, कीटनाशक और पारायुक्त अपशिष्ट शामिल हैं। खतरनाक पदार्थ विस्फोट कर सकते या आग लगने का कारण बन सकते हैं और कुछ मनुष्यों या पर्यावरण में विषाक्त प्रभाव पैदा सकते हैं। उपभोक्ता उत्पाद और उनकी पैकेजिंग में भी कुछ रसायन मात्रा में पाए जाते हैं।

गणेशशंकर विद्यार्थी

गणेशशंकर विद्यार्थी एक निडर और निष्पक्ष पत्रकार तो थे ही, इसके साथ ही वे एक समाज-सेवी, स्वतंत्रता सेनानी और कुशल राजनीतिज्ञ भी थे। भारत के स्वाधीनता संग्राम में उनका महत्त्वपूर्ण योगदान रहा था। अपनी बेबाकी और अलग अंदाज़से दूसरों के मुँह पर ताला लगाना एक बेहद मुश्किल काम होता है। कलम की ताकत हमेशा से ही तलवार से अधिक रही है और ऐसे कई पत्रकार हैं, जिन्होंने अपनी कलम से सत्ता तक की राह बदल दी। गणेशशंकर विद्यार्थी भी ऐसे ही पत्रकार थे, जिन्होंने अपनी कलम की ताकत से अंग्रेज़ी शासन की नींव हिला दी थी। गणेशशंकर विद्यार्थी एक ऐसे स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, जो कलम और वाणी के साथ-साथ महात्मा गांधी के अहिंसक समर्थकों और क्रांतिकारियों को समान रूप से देश की आज़ादी में सक्रिय सहयोग प्रदान करते रहे।

जीवन परिचय

गणेशशंकर विद्यार्थी का जन्म 26 अक्टूबर, 1890 में अपने ननिहाल प्रयाग (आधुनिक इलाहाबाद) में हुआ था। इनके पिता का नाम श्री जयनारायण था। पिता एक स्कूल में अध्यापक के पद पर नियुक्त थे और उर्दू तथा फ़ारसी खूब जानते थे। गणेशशंकर विद्यार्थी की शिक्षा-दीक्षा मुंगावली (ग्वालियर) में हुई थी। पिता के समान ही इन्होंने भी उर्दू-फ़ारसी का अध्ययन किया।

व्यावसायिक शुरुआत

गणेशशंकर विद्यार्थी अपनी आर्थिक कठिनाइयों के कारण एण्ट्रेंस तक ही पढ़ सके। किन्तु उनका स्वतंत्र अध्ययन अनवरत चलता ही रहा। अपनी मेहनत और लगन के बल पर उन्होंने पत्रकारिता के गुणों को खुद में भली प्रकार से सहेज लिया था। शुरु में गणेश शंकर जी को सफलता के अनुसार ही एक नौकरी भी मिली थी, लेकिन उनकी अंग्रेज़ अधिकारियों से नहीं पटी, जिस कारण उन्होंने वह नौकरी छोड़ दी।

सम्पादन कार्य

इसके बाद कानपुर में गणेश जी ने करेंसी ऑफ़िस में नौकरी की, किन्तु यहाँ भी अंग्रेज़ अधिकारियों से इनकी नहीं पटी। अत- यह नौकरी छोड़कर अध्यापक हो गए। महावीर प्रसाद द्विवेदी इनकी योग्यता पर रीझे हुए थे। उन्होंने विद्यार्थी जी को अपने पास सरस्वती के लिए बुला लिया। विद्यार्थी जी की रुचि राजनीति की ओर पहले से ही थी। यह एक ही वर्ष के बाद अभ्युदय नामक पत्र में चले गये और फिर कुछ दिनों तक वहीं पर रहे। इसके बाद सन 1907 से 1912 तक का इनका जीवन अत्यन्त संकटापन्न रहा। इन्होंने कुछ दिनों तक प्रभा का भी सम्पादन किया था। 1913, अक्टूबर मास में प्रताप (साप्ताहिक) के सम्पादक हुए। इन्होंने अपने पत्र में किसानों की आवाज़ बुलन्द की।

लोकप्रियता

सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक समस्याओं पर विद्यार्थी जी के विचार बड़े ही निर्भीक होते थे। विद्यार्थी जी ने देशी रियासतों की प्रजा पर किये गये अत्याचारों का भी तीव्र विरोध किया। गणेशशंकर विद्यार्थी कानपुर के लोकप्रिय नेता तथा पत्रकार, शैलीकार एवं निबन्ध लेखक रहे थे। यह अपनी अतुल देश भक्ति और अनुपम आत्मोसर्ग के लिए चिरस्मरणीय रहेंगे। विद्यार्थी जी ने प्रेमचन्द की तरह पहले उर्दू में लिखना प्रारम्भ किया था। उसके बाद हिन्दी में पत्रकारिता के माध्यम से वे आये और आजीवन पत्रकार रहे। उनके अधिकांश निबन्ध त्याग और बलिदान सम्बन्धी विषयों पर आधारित हैं। इसके अतिरिक्त वे एक बहुत अच्छे वक्ता भी थे।

साहित्यिक अभिरुचि

पत्रकारिता के साथ-साथ गणेशशंकर विद्यार्थी की साहित्यिक अभिरुचियाँ भी निखरती जा रही थीं। आपकी रचनायें सरस्वती, कर्मयोगी, स्वराज्य, हितवार्ता में छपती रहीं। आपने 'सरस्वती' में आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी के सहायक के रूप में काम किया था। हिन्दी में ÷शेखचिल्ली की कहानियाँ÷ आपकी देन है। ÷अभ्युदय÷ नामक पत्र जो कि इलाहाबाद से निकलता था, से भी विद्यार्थी जी जुड़े। गणेश शंकर विद्यार्थी ने अंततोगत्वा कानपुर लौटकर प्रताप अखबार की शुरूआत की। प्रताप भारत की आज़ादी की लड़ाई का मुख-पत्र साबित हुआ। कानपुर का साहित्य समाज प्रताप से जुड़ गया। क्रान्तिकारी विचारों व भारत की स्वतन्त्रता की अभिव्यक्ति का माध्यम बन गया था-प्रताप। लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक के विचारों से प्रेरित गणेशशंकर विद्यार्थी जंग-ए-आज़ादी के एक निष्ठावान सिपाही थे। महात्मा गाँधी उनके नेता और वे क्रान्तिकारियों के सहयोगी थे। सरदार भगत सिंह को प्रताप से विद्यार्थी जी ने ही जोड़ा था। विद्यार्थी जी ने राम प्रसाद बिस्मिल की आत्मकथा प्रताप में छापी, क्रान्तिकारियों के विचार व लेख प्रताप में निरन्तर छपते रहते।

भाषा-शैली

गणेशशंकर विद्यार्थी की भाषा में अपूर्व शक्ति है। उसमें सरलता और प्रवाहमयता सर्वत्र मिलती है। विद्यार्थी जी की शैली में भावात्मकता, ओज, गाम्भीर्य और निर्भीकता भी पर्याप्त मात्रा में पायी जाती है। उसमें आप वक्रता प्रधान शैली ग्रहण कर लेते हैं। जिससे निबन्ध कला का ह्रास भले होता दिखे, किन्तु पाठक के मन पर गहरा प्रभाव पड़े बिना नहीं रहता। उनकी भाषा कुछ इस तरह की थी, जो हर किसी के मन पर तीर की भांति चुभती थी। ग़रीबों की हर छोटी से छोटी परेशानी को वह अपनी कलम की ताकत से दर्द की कहानी में बदल देते थे।

पत्रकारिता के पुरोधा

विद्यार्थी जी का बचपन विदिशा और मुंगावली में बीता। किशोर अवस्था में उन्होंने समाचार पत्रों के प्रति अपनी रुचि को जाहिर कर दिया था। वे उन दिनों प्रकाशित होने वाले भारत मित्र, बंगवासी जैसे अन्य समाचार पत्रों का गंभीरता पूर्वक अध्ययन करते थे। इसका असर यह हुआ कि पठन-पाठन के प्रति उनकी रुचि दिनों दिन बढ़ती गई। उन्होंने अपने समय के विख्यात विचारकों वाल्टेयर, थोरो, इमर्सन, जान स्टुअर्ट मिल, शेख सादी सहित अन्य रचनाकारों की कृतियों का अध्ययन किया। वे लोकमान्य तिलक के राष्ट्रीय दर्शन से बेहद प्रभावित थे। महात्मा गांधी ने उन दिनों अंग्रेज़ों के ख़िलाफ़ अहिंसात्मक आंदोलन की शुरूआत की थी, जिससे विद्यार्थी जी सहमत नहीं थे, क्योंकि वे स्वभाव से उग्रवादी विचारों के थे। विद्यार्थी जी ने मात्र 16 वर्ष की अल्प आयु में 'हमारी आत्मोसर्गता' नामक एक किताब लिख डाली थी। वर्ष 1911 में भारत के चर्चित समाचार पत्र सरस्वती में उनका पहला लेख आत्मोसर्ग शीर्षक से प्रकाशित हुआ था, जिसका संपादक हिन्दी के उद्भूत, विद्धान, आचार्य महावीर प्रसाद द्विवेदी द्वारा किया जाता था। वे द्विवेदी के व्यक्तित्व एवं विचारों से प्रभावित होकर पत्रकारिता के क्षेत्र में आये। श्री द्विवेदी के सान्निध्य में सरस्वती में काम करते हुए उन्होंने साहित्यिक, सांस्कृतिक सरोकारों के प्रति अपना रुझान बढ़ाया। इसके साथ ही वे महामना पंडित मदन मोहन मालवीय के पत्र 'अभ्युदय' से भी जुड़ गये। इन समाचार पत्रों से जुड़े और स्वाधीनता के लिए समर्पित पंडित मदन मोहन मालवीय, जो कि राष्ट्रवाद की विचारधारा का जन जन में प्रसार कर सके।

'प्रताप' का प्रकाशन

अपने सहयोगियों एवं वरिष्ठजनों से सहयोग मार्गदर्शन का आश्वासन पाकर अंतत- विद्यार्थी जी ने 9 नवम्बर 1913 से 'प्रताप' नामक समाचार पत्र का प्रकाशन प्रारंभ कर दिया। इस समाचार पत्र के प्रथम अंक में ही उन्होंने स्पष्ट कर दिया था कि हम राष्ट्रीय स्वाधीनता आंदोलन, सामाजिक आर्थिक क्रांति, जातीय गौरव, साहित्यिक सांस्कृतिक विरासत के लिए, अपने हक अधिकार के लिए संघर्ष करेंगे। विद्यार्थी जी ने अपने इस संकल्प को प्रताप में लिखे अग्रलेखों को अभिव्यक्त किया जिसके कारण अंग्रेजों ने उन्हें जेल भेजा, जुर्माना किया और 22 अगस्त 1918 में प्रताप में प्रकाशित नानक सिंह की 'सौदा ए वतन' नामक कविता से नाराज अंग्रेजों ने विद्यार्थी जी पर राजद्रोह का आरोप लगाया व 'प्रताप' का प्रकाशन बंद करवा दिया। आर्थिक संकट से जूझते विद्यार्थी जी ने किसी तरह व्यवस्था जुटाई तो 8 जुलाई 1918 को फिर प्रताप की शुरूआत हो गई।

क्या मैच्योरिटी से पहले निकाले जा सकते है पैसे?

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोस्ट ऑफिस एक सुरक्षित प्लेटफॉर्म माना जाता है। इसमें पैसा डूबने का खतरा नहीं रहता। पोस्ट ऑफिस के तहत कई तरह की स्कीम्स ऑफर की जाती है। इनमें से ही एक है, पोस्ट ऑफिस महिला सम्मान बचत योजना ।

इस स्कीम की अवधि आमतौर पर 2 साल की होती है। लेकिन हो सकता है, इमरजेंसी पड़ने पर हमें अवधि पूरी होने से पहले पैसे निकालने पड़ जाए। तो ऐसे में सवाल उठता है कि क्या एमएसएससी के तहत अवधि पूरी होने से पहले पैसे निकाले जा सकते हैं।

क्या मैच्योरिटी से पहले पैसे निकाल सकते हैं- पोस्ट ऑफिस की ऑफिशियल वेबसाइट के अनुसार अगर महिला निवेशक चाहे तो योजना की अवधि पूरी होने से पहले पैसे निकाल सकती है। हलांकि इसे लेकर भी कुछ नियम है। कोई भी निवेशक महिला सम्मान बचत योजना के तहत 1 साल बाद निवेश करने के बाद बीच में ही पैसे निकाल सकते हैं।

लेकिन आप सिर्फ 40 फीसदी तक ही राशि निकाल सकते हैं। ये 40 फीसदी पैसे कुल अमाउंट पर कैलकुलेट होता है। जिनमें एक साल एक अंतराल में मिलने वाला ब्याज भी शामिल होता है।

उदाहरण के लिए- मान लीजिए कोई निवेशक महिला सम्मान बचत योजना के तहत 2 लाख रुपये निवेश करता है, तो एक साल के भीतर उसके खाते में 2,15,427 रुपये बन जाएंगे। इन्हीं 2,15,427 पर 40 फीसदी के हिसाब से निकासी रकम कैलकुलेट की जाती है। जिसका मतलब हुआ कि खाते में 2,15,427 होने पर निवेशक लगभग 86 हजार रुपये ही निकाल पाएंगे।

वहीं अगर निवेशक को कोई गंभीर बीमारी हो, तो ऐसे में पैसे निकाल सकते हैं, लेकिन ऐसा करने पर आपको प्रीसिपल अमाउंट पर ही रिटर्न मिलता है।

इसके साथ ही निवेशक 6 महीने बाद भी पैसा निकाल सकते हैं, लेकिन ऐसे में 2 फीसदी कम रिटर्न मिलता है।

कब लेना चाहिए पर्सनल लोन में प्री क्लोजर ?

नई दिल्ली (एजेंसी)। सभी लोन में से पर्सनल लोन मिलना सबसे आसान माना जाता है। इस महंगाई के जमाने में ज्यादातर मनपसंद वस्तु खरीदने के लोन का सहारा लेना पड़ता ही है। एक तरह से लोन के जरिए हम किस्तों में कोई भी महंगा सामान खरीद सकते हैं। हालांकि लोन में आपको प्रिंसिपल अमाउंट के साथ ब्याज भी देना पड़ता है।

हर कोई ये चाहता है कि उनका लोन जल्द से जल्द खत्म हो। लेकिन अगर आप समय से पहले लोन चुकाने जाते हैं, तो आपको प्री-क्लोजर का सामना करना पड़ता है। इसके फायदे और नुकसान समझने से पहले ये जानते हैं कि प्री-क्लोजर क्या है।

क्या है प्री क्लोजर- जब हम अपना पूरा लोन तय समय से पहले चुकाते हैं, तो उसे प्री-क्लोजर कहा जाता है। ये तभी बेहतर है, जब लोन चुकाने के लिए अच्छा खासा फंड हो। प्री-क्लोजर करने से आपका ब्याज दर कम हो जाता है। क्योंकि जितना लंबा लोन होगा, उतना ही ज्यादा ब्याज देना होगा।

हालांकि बैंकों को इससे एक तरह से नुकसान होता है। वहीं आपका क्रेडिट स्कोर भी अच्छा होता है, जिससे भविष्य में आपको लोन मिलने में आसानी होती है।

क्या है प्री-क्लोजर लेने के फायदे- प्री-क्लोजर का ऑप्शन चुनने से लोन पर लगने वाला ब्याज दर कम हो जाता है।

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में मिलता है जबरदस्त ब्याज

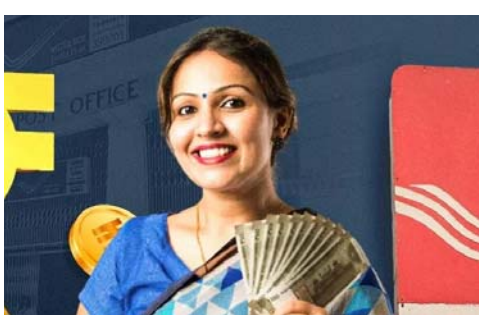

नई दिल्ली (एजेंसी)। पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम निवेश के लिए एक बेहतरीन विकल्प है। इसमें अच्छा खासा रिटर्न मिल जाता है। वहीं इसमें आप परिवार के साथ ज्वाइंट अकाउंट का लाभ उठा सकते हैं।

इस स्कीम के तहत आपको बैंक की फिक्स्ड डिपॉजिट जितना ही रिटर्न मिल जाता है। पोस्ट ऑफिस की ऑफिशियल वेबसाइट से मिली जानकारी के मुताबिक पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम में 6.9 फीसदी से 7.5 फीसदी तक का रिटर्न मिल जाता है।

इसके साथ ही पोस्ट ऑफिस एक सुरक्षित निवेश प्लेटफॉर्म है। इसमें पैसा डूबने का खतरा नहीं रहता। वहीं अक्सर ये सुझाव दिया जाता है कि हमें अपने फोलियों में सुरक्षित और असुरक्षित दोनों ही निवेश विकल्प शामिल करने चाहिए।

क्या है पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम?

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम में निवेश कर मोटा फंड तैयार किया जा सकता है। इसमें 6.9 से 7.5 फीसदी तक का रिटर्न मिल जाता है। ये रिटर्न देखा जाए तो बैंक एफडी के बराबर है।

पोस्ट ऑफिस की इस स्कीम में 1 साल से लेकर 5 साल तक के लिए निवेश किया जा सकता है।

इस स्कीम को महज 1000 रुपये की राशि के साथ शुरू कर सकते हैं।

वहीं इसमें निवेश करने की अधिकतम लिमिट नहीं रखी गई है।

पोस्ट ऑफिस टीडी स्कीम के फायदे- इस स्कीम को महज 1000 रुपये की राशि के साथ शुरू कर सकते हैं।

बच्चे के नाम पर शुरू करना चाहते हैं SIP? इन बातों का खासतौर पर रखें ध्यान

नई दिल्ली (एजेंसी)। अगर आप भी बच्चे के नाम पर एसआईपी शुरू करना चाहते हैं, तो आपको कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखना होगा। कई माता-पिता बच्चे के भविष्य के लिए पहले से ही सेविंग करना शुरू कर देते हैं।

अगर आप बच्चे के लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी शुरू कर रहे हैं, तो कुछ बातों का खासतौर पर ध्यान रखें।

बच्चे के नाम पर एसआईपी खोलने के क्या है नियम- माता-पिता बिना किसी परेशानी के बच्चे के लिए एसआईपी शुरू कर सकते हैं। हर एक म्यूचुअल फंड बच्चे के नाम पर एसआईपी शुरू करने की अनुमति देता है। वहीं निवेश रकम में भी कोई लिमिट नहीं रखी गई है। इस बात का ध्यान रखें कि पोर्टफोलियों में बच्चा एकमात्र होल्डर होना चाहिए।

बच्चे के नाम पर 3-इन-1 अकाउंट (बैंक+ ट्रेडिंग+ डीमैट) शुरू कर सकते हैं। इसके साथ ही 18 साल से कम के बच्चे शेयर बाजार में भी निवेश कर सकते हैं। हालांकि इसमें माता-पिता की जिम्मेदारी रहती है।

कौन-से दस्तावेज की है जरूरत- अगर आप बच्चे के नाम पर म्यूचुअल फंड शुरू करते हैं, तो आपको कुछ जरूरी डॉक्यूमेंट देने होंगे। सबसे पहले आपको प्रूफ के लिए आयु का प्रमाण पत्र देना होगा। इसके लिए आप बर्थ सर्टिफिकेट या पासपोर्ट दे सकते हैं।

सैमसंग दे रहा 11,000 रुपये का डिस्काउंट, 200MP कैमरा वाले स्मार्टफोन को सस्ते में खरीदने का मौका

नई दिल्ली (एजेंसी)। Samsung Galaxy S25 Ultra स्मार्टफोन भारत में साल की शुरुआत में लॉन्च हुआ था। सैमसंग का यह स्मार्टफोन पिछले साल के Galaxy S24 Ultra का सक्सेसर है। सैमसंग का लेटेस्ट फ्लैगशिप स्मार्टफोन क्वालकॉम के Snapdragon 8 Elite चिपसेट के साथ पेश किया गया है, जो One UI 7 कस्टम स्किन पर रन करता है। फिलहाल Galaxy S4 S25 ltra स्मार्टफोन पर 11 हजार रुपये का बैंक डिस्काउंट मिल रहा है। यहां हम आपको सैमसंग के इस स्मार्टफोन पर मिल रही डील के बारे में डिटेल में जानकारी दे रहे हैं।

Samsung Galaxy S4 S25 Ultra स्मार्टफोन का बेस वेरिएंट 12GB रैम और 256GB स्टोरेज के साथ आता है, जिसे 1,29,999 रुपये की शुरुआती कीमत में लॉन्च किया गया है। इस फोन का दूसरा वेरिएंट 512 जीबी स्टोरेज के साथ 1,41,999 रुपये और टॉप वेरिएंट 1ञ्जक्क स्टोरेज के साथ 1,65,999 रुपये की कीमत में आता है।

सैमसंग के इस फोन पर एचडीएफसी बैंक के क्रेडिट कार्ड से फुल पेमेंट करने पर 11 हजार रुपये का डिस्काउंट मिल रहा है। वहीं, ईएमआई पेमेंट पर 9000 रुपये का डिस्काउंट मिल रहा है।

इस बैंक डिस्काउंट के साथ सैमसंग के इस फोन को 1,18,999 रुपये की शुरुआती कीमत में खरीदा जा सकता है। इस ऑफर का बेनिफिट सैमसंग की ऑफिशियल वेबसाइट, अमेजन, रिलायंस डिजिटल और फ्लिपकार्ट से उठाया जा सकता है।

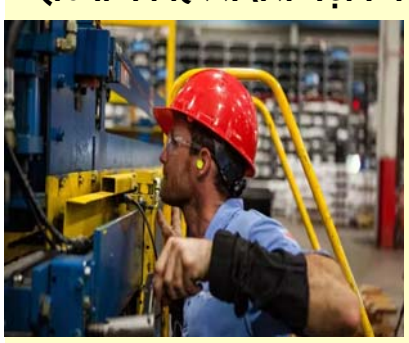

वैश्विक पटल बढ़ेगा भारत का दबदबा! GVC में इंडिया की हिस्सेदारी बढ़ाने की कवायद तेज

नई दिल्ली (एजेंसी)। इन दिनों वैश्विक वैल्यू चेन (जीवीसी) में भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने को लेकर गंभीर प्रयास किए जा रहे हैं। अभी वैश्विक वैल्यू चेन में भारत की हिस्सेदारी सिर्फ 3.3 प्रतिशत है। मैन्यूफैक्चरिंग को बढ़ाकर ही भारत जीवीसी में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा सकता है। जीवीसी में भारत की हिस्सेदारी बढ़ने से वैश्विक पटल पर भारत का दबदबा बढ़ेगा।

मैन्यूफैक्चरिंग में बढ़ोतरी होगी और नए रोजगार निकलेंगे। वैल्यू चेन में हिस्सेदारी बढ़ाने के लिए नीति आयोग ने सरकार से मुख्य रूप से इलेक्ट्रॉनिक्स, केमिकल्स और आटोमोटिव सेक्टर पर फोकस करने की सिफारिश की है। इन तीन सेक्टर में भारत लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहा है, इसलिए इनमें जीवीसी में अहम हिस्सेदार बनने की पूरी गुंजाइश है।

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in
24x7 News portal

सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित

jagrayam.com
online news magazine

ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए

हिन्दकुश मीडिया

hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

कूनो से बाहर निकले 5 चीते... बछड़े पर किया हमला तो ग्रामीणों ने मारे पत्थर-लाठी, बोले सामने नहीं मारने देंगे

ग्वालियर। कूनो नेशनल पार्क के जंगल की सीमा से निकलकर श्योपुर की विजयपुर तहसील के भैरोपुरा गांव में मादा चीता ज्वाला व चार शावकों का ग्रामीणों से आमना-सामना हो गया। यहां एक बछड़े पर मादा चीता ज्वाला ने हमला कर दिया, तो शावकों ने भी घेराबंदी शुरू कर दी।

बछड़े पर हमला होते देख उसके मालिक व ग्रामीणों ने चीतों पर पत्थर मारना शुरू कर दिया। लाठी से भी भगाने का प्रयास किया। पास खड़ी कूनो की टीम ने ग्रामीणों को समझाया कि बछड़े का मुआवजा मिल जाता है, चीतों पर हमला न किया जाए। इस पर बछड़े के मालिक ने कहा कि हमारे सामने हमारे मवेशियों को मरता हुआ नहीं देख

सकते हैं, ऐसा होगा तो हम तो हमला करेंगे।पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे

बता दें कि एक महीने पहले खुले जंगल में छोड़ी गई मादा चीता ज्वाला और उसके 4 शावक शनिवार शाम को पहली बार पार्क की सीमा से बाहर आ गए थे। ये चीते रविवार को दोपहर बाद फिर कूनो के जंगल की ओर लौट गए थे।

सामने बछड़ा आ गया था

रविवार रात को ये चीते वीरपुर तहसील के ग्राम भैरोपुरा के पास देखे गए। वे निर्माणाधीन श्योपुर-ग्वालियर ब्राडगेज रेल ट्रैक से करीब 1 किलोमीटर की दूरी पर थे। सोमवार सुबह मादा चीता ज्वाला के सामने बछड़ा आ गया, तो उसने शिकार की नीयत से हमला कर दिया।

लेकिन ग्रामीणों के पत्थर मारने से चीते पीछे हट गए। लाठी डंडे लेकर चिल्लाते हुए ग्रामीणों को देख चीते डर गए। मादा चीता काफी देर तक बछड़े का गला पकड़े रही, लेकिन फिर छोड़ दिया।

15 लोगों का दल कर रहा ज्वाला व शावकों की निगरानी

मादा चीता ज्वाला व शावकों की निगरानी में 15 लोगों का दल निगरानी कर रहा है, जब सोमवार सुबह यह घटना हुई तो एक दल पीछे रह गया था और एक वहीं चीतों के आसपास ही मौजूद था। ग्रामीणों से दल ने बात की और समझाने का प्रयास किया कि आगे से ऐसा न करें।

सिवनी में मवेशी तस्करी से जुड़ा कथित ऑडियो हुआ वायरल, कान्हीवाड़ा टीआई को किया लाइन अटैच

सिवनी। सिवनी जिले कान्हीवाड़ा थाना प्रभारी ओमेश्वर ठाकरे और भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति के सदस्य मयूर दुबे के बीच मोबाइल फोन पर हुई बातचीत का ऑडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। इस ऑडियो में भाजयुमो के नेता गो-तस्करों का सहारा लेकर लेकर हिंदूवादी संगठन से जुड़े कार्यकर्ताओं को फंसाने की साजिश रच रहे हैं।

साथ ही थाना प्रभारी से अंडरग्राउंड मदद मांग रहे हैं। ऑडियो में थाना प्रभारी भी पूरी मदद करने की हामी भर रहे हैं। यह ऑडियो एसपी सुनील मेहता के पास पहुंचने पर उन्होंने थाना प्रभारी को लाइन अटैच कर दिया है। एसपी ने बताया कि ऑडियो की प्रमाणिकता जांचने के लिए जांच के आदेश दिए गए हैं।षड्यंत्र रच रहे

सोशल मीडिया में वायरल हो रहे ऑडियो में भाजयुमो नेता सिवनी के गणेश चौक निवासी मयूर दुबे और कान्हीवाड़ा थाना प्रभारी रहे ओमेश्वर ठाकरे दुश्मनों व हिंदुत्व की आड़ में गलत काम करने वालों को फंसाने के लिए षणयंत्र रच रहे हैं। इसके लिए भाजयुमो नेता थाना प्रभारी से बाहर प्रदेशों गोतस्करों की मांग कर रहे हैं।

घसीटकर पीटने की बात कर रहे थे

ऑडियो में इस काम के लिए भाजयुमो नेता खर्चा करने की भी बात कर रहे हैं। ऑडियो में हो रही बातचीत में गो तस्करों को चार-पांच मोबाइल नंबरों पर पैसे डालने और वॉट्सएप मैसेज करने की बातें सुनाई दे रही हैं। इसके अलावा जिन्हें फंसाया जाएगा उन्हें घसीटकर पीटने की बात भी ऑडियो में सुनाई दे रही है।

पार्टी और संघ के पदाधिकारियों को दी रिपोर्ट

एक अन्य ऑडियो में थाना प्रभारी भाजयुमो नेता से यह कहते सुने गए हैं कि उन्होंने विश्व हिंदू परिषद और सहयोगी संगठनों के शीर्ष नेताओं को सिवनी के कुछ लोगों, खासकर माधव दुबे और दीपक यादव की कथित गलत गतिविधियों की जानकारी दी है। थाना प्रभारी यह कहते भी सुनाई दे रहे हैं कि उन्होंने इसकी पूरी रिपोर्ट पार्टी व संघ के पदाधिकारियों को दी है।

हालांकि अभी स्पष्ट नहीं हुआ है कि सोशल मीडिया में वायरल हो रही दो ऑडियो क्लिप में कितनी सत्यता है। फिलहाल एसपी का कहना है कि ऑडियो क्लिप की जांच कराई जा रही है। जांच प्रभावित ना हो इसके लिए थाना प्रभारी को लाइन अटैच किया गया है।उन्होंने कहा है कि एएसपी गुरूदत्त शर्मा को आडियो की जांच सौंपी गई है। जांच होने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। इस मामले में जब ओमेश्वर ठाकरे से मोबाइल फोन पर संपर्क किया गया तो उन्होंने किसी भी तरह की बात करने से इन्कार कर दिया।

वर्तमान में जेल में भाजयुमो नेता

सोमवार 17 मार्च को नगर के गणेश चौक के पास मयूर दुबे ने साथियों के साथ मिलकर सूरज जंघेला के साथ मारपीट की थी। इसमें सूरज जंघेला गंभीर रूप से घायल हुआ था। पूछताछ में घायल ने पुलिस को बताया था कि पुराने झगड़े को लेकर मयूर दुबे ने अपने साथी जितेन्द्र बघेल, मयंक दुबे और अतुल रैकवार के साथ मिलकर उसे घर के सामने रोड पर रोककर तलवार, चाकू व बेसबाल के डंडे से मारपीट की।

इस पर आरोपितों के विरुद्ध हत्या के प्रयास का मामला कायम कर न्यायालय में पेश किया गया था। यहां से आरोपितों को जेल भेज दिया गया है। मयूर दुबे के विरुद्ध पूर्व में हत्या, हत्या का प्रयास, बलवा, मारपीट, लोक परिशांति भंग करने जैसे कुल छह अपराध पंजीबद्ध है। मयूर दुबे का नाम थाना कोतवाली सिवनी की गुंडा बदमाश सूची में दर्ज है।

मंदसौर गोलीकांड को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश सरकार को जारी किया नोटिस

जबलपुर । मंदसौर गोली कांड की जांच के लिए बने जैन आयोग की रिपोर्ट को विधानसभा के पटल पर रखे जाने की मांग को लेकर पूर्व विधायक पारस सकलेचा ने सुप्रीम कोर्ट में विशेष अनुमति याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट के न्यायाधीश संदीप दास व न्यायाधीश विक्रम मेहता की युगलपीठ ने इस सिलसिले में मध्य प्रदेश शासन को नोटिस जारी कर चार सप्ताह में जवाब देने का आदेश दिया है।

दरअसल, छह जून, 2017 को पिपलिया मंडी, मंदसौर में पार्श्वनाथ चौपाटी पर आंदोलनरत किसानों पर पुलिस द्वारा गोली चलाने से पांच किसानों की मृत्यु हो गई थी। गोलीकांड की घटना की सीबीआई जांच तथा जिम्मेदार अधिकारियों पर प्रकरण दर्ज करने की मांग को लेकर पारस सकलेचा ने हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका दायर की थी।जैन आयोग का गठन किए जाने पर याचिका निरस्त कर दी थी

न्यायाधीश पीके जायसवाल तथा न्यायाधीश वीरेन्द्र सिंह की युगलपीठ ने शासन द्वारा जैन आयोग का गठन किए जाने के आधार पर याचिका को निरस्त कर दिया था। गोलीकांड की जांच के लिए 12 जून, 2017 को शासन ने जैन आयोग का गठन किया। जैन आयोग ने अपनी रिपोर्ट 13 जून, 2018 को राज्य शासन को सौंप दी थी।

जैन आयोग की रिपोर्ट को चार वर्ष बाद भी विधानसभा के पटल पर न रखे जाने पर पारस सकलेचा ने हाई कोर्ट की इंदौर बेंच में याचिका दायर कर प्रार्थना की थी कि शासन को आदेश करें कि वह जैन आयोग की रिपोर्ट पर कार्यवाही कर उसे विधानसभा के पटल पर रखे।

अंगदान करने वालों के परिवार को आयुष्मान भारत योजना का लाभ देगी मध्य प्रदेश सरकार

भोपाल । अंगदानियों को अंतिम संस्कार के समय गार्ड आफ आनर देने का निर्णय लेने के बाद मध्य प्रदेश सरकार उनके स्वजन को एक और बड़ी सुविधा देने जा रही है। उन्हें आयुष्मान भारत योजना का लाभ दिया जाएगा, जिसमें प्रति परिवार वर्ष में पांच लाख रुपये तक निश्शुल्क उपचार की सुविधा रहेगी।

इसमें आय सीमा का कोई बंधन नहीं रहेगा। इसके प्रचार-प्रसार व जागरूकता के लिए 18 लाख रुपये से डाक्यूमेंट्री बनवाई जा रही है। ब्रेन डेड रोगियों के अंगदान के लिए स्वजन को प्रोत्साहित करने को प्रदेश सरकार यह कदम उठाने जा रही है।इसके अलावा स्टेट आर्गन एवं टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गनाइजेशन एक पोर्टल भी तैयार कर रहा है, जिसमें अंगदान करने वाले और जरूरतमंद दोनों पंजीयन करा सकेंगे। पोर्टल में अंगदान के नियम प्रक्रिया की भी जानकारी दी जाएगी। तमिलनाडु अंगदान में सबसे आगेबता दें कि नेशनल आर्गन एंड टिश्यू ट्रांसप्लांट आर्गेनाइजेशन की वर्ष 2023 में अंगदान की रिपोर्ट के अनुसार अंगदान के मामले में तमिलनाडु देश में अव्वल है। जहां वर्ष 2023 में 500 से अधिक अंग प्रत्यारोपण हुए। इसके बाद तेलंगाना, महाराष्ट्र, गुजरात का नंबर है।

मार्च के अंत में भीषण गर्मी का अलर्ट, कबसे चलेगी लू

इंदौर। मध्यप्रदेश में मार्च के आखिरी दिनों में तेज गर्मी का अनुभव किया जाता है। पिछले 10 वर्षों से यह ट्रेंड बना हुआ है और इस बार भी ऐसा ही मौसम रहने की संभावना है। हाल ही में बारिश, ओले और आंधी का दौर समाप्त होते ही प्रदेश में गर्मी का प्रभाव बढ़ गया है। रविवार को रतलाम में अधिकतम तापमान 39 डिग्री तक पहुंच गया। ग्वालियर, इंदौर और उज्जैन संभाग के जिले सबसे अधिक गर्म रहे। इंदौर में रविवार को दिन का पारा 35.4 डिग्री पर रहा और रात का पारा 18.4 डिग्री पर रहा। सोमवार को भी सुबह से ही गर्मी लगने लगी है। मौसम विभाग के अनुसार, हिमालय के ऊपर एक वेस्टर्न डिस्टरबेंस (पश्चिमी विक्षोभ) सक्रिय है, लेकिन इसकी तीव्रता कम होने के कारण प्रदेश में इसका असर ज्यादा देखने को नहीं मिलेगा।

प्रदेशभर में तापमान में वृद्धि- रविवार को पूरे प्रदेश में दिन के तापमान में वृद्धि दर्ज की गई। रतलाम में अधिकतम तापमान 39 डिग्री, नर्मदापुरम में 38.8 डिग्री, धार में 37.4 डिग्री, खरगोन में 37 डिग्री, गुना और बैतूल में 36.5 डिग्री, नरसिंहपुर में 36.4 डिग्री और मंडला में 36 डिग्री दर्ज किया गया। बड़े शहरों में उज्जैन में 36 डिग्री, इंदौर में 35.4 डिग्री, भोपाल में 35.1 डिग्री, जबलपुर में 34.9 डिग्री और ग्वालियर में 34.7 डिग्री तापमान रहा। भोपाल में रविवार सुबह से ही गर्मी का असर महसूस किया गया, जिससे अधिकतम तापमान 34 डिग्री के पार पहुंच गया। अन्य शहरों में भी इसी प्रकार का मौसम बना रहा।

अमरकंटक में बारिश और आंधी का दौर- शनिवार-रविवार की रात प्रदेश के अमरकंटक में तेज बारिश हुई, जहां 4 इंच से अधिक वर्षा दर्ज की गई। इसके अलावा रीवा में भी हल्की बारिश हुई। भिंड और अनूपपुर में तेज आंधी चली, जबकि सतना, रीवा, अनूपपुर और भिंड में गरज-चमक के साथ मौसम बिगड़ने की स्थिति बनी रही।

इंदौर की सरस्वती नदी में चलेगी नाव,घाटों को नगर निगम ने संवारा

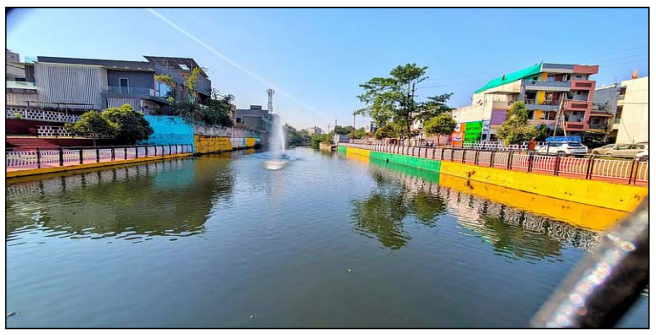

इंदौर। कान्ह-सरस्वती नदी में वर्षों से नाव चलाने की घोषणा इंदौर नगर निगम करता आ रहा है, लेकिन नदी में इतनी गंदगी रहती है कि नाव संचालन संभव नहीं हो पाता। 30 साल पहले कृष्णपुरा छत्री पर कुछ महीनों के लिए नाव का संचालन हुआ था, लेकिन नदी में फिर गंदा पानी आने के बाद उसे बंद करना पड़ा। अब मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने इंदौर के अमितेश नगर वाले हिस्से में नाव चलाने की घोषणा की है।

मेयर पुष्यमित्र भार्गव ने रविवार को इंदौर की प्रमुख नदियों और घाटों का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि शहर के जल स्रोत नदी, तालाब, कुएं, बावड़ी का संरक्षण और सफाई करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। घाटों को सुंदर बनाना, सीवरेज-ड्रेनेज के पानी को नदी में जाने से रोकना और गाद निकालने का कार्य नगर निगम की प्राथमिकताओं में शामिल है।

उन्होंने कहा कि अमितेश नगर स्थित सरस्वती नदी में नाव चलाने की योजना बनाई गई है। यहां पानी साफ है। गणगौर घाट और कृष्णपुरा घाट का नया स्वरूप तैयार किया जाएगा। गणगौर घाट से 50 से ज्यादा डंपर गाद के निकाले गए हैं। पुराने घाटों को संवारकर यहां सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित करने की योजना है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री मोहन यादव की घोषणा के अनुसार शहर के तीन घाटों को छठ पूजा के हिसाब से तैयार किया जाएगा। इसके अलावा शहर की 100 बावड़ियां की सफाई की जाएगी।

15 साल पहले भी चली थी नाव- बता दें, पूर्व महापौर उमाशशि शर्मा के कार्यकाल में भी 15 साल पहले पिपलियापाल के समीप नहर भंडारा क्षेत्र में नाव चली थी।

आरटीओ इंदौर ने की वाहनो पर की कार्यवाही- 16 वाहनों से वसूला 70 हजार रूपये का जुर्माना

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह के निर्देश पर इंदौर जिले में क्षेत्रीय परिवहन कार्यालय द्वारा लोक परिवहन वाहनों बसों, स्कूल वाहनों सहित अन्य वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही हैं तथा मध्यप्रदेश मोटरयान अधिनियमों का पालन नहीं करने वालों के विरूद्ध कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में आज इंदौर-उज्जैन , इंदौर-आगर मालवा रूट की बसों की सघन चेकिंग की गई। जिसमे वाहनो के फ़िटनेश, परमिट, बीमा, पीयूसी, कर प्रमाण पत्र भी चेक किये जा रहे है। बसों में ओवरलोडिंग,अधिक किराया की भी जांच की जा रही है। लोगों को अपने वाहनों पर ॥स्त्रक्कनम्बर प्लेट लगवाने के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। वाहन की गति, स्पीड गवर्नर सहित दस्तावेज की चेकिंग की जा रही है। दस्तावेज नहीं होने, क्षमता से अधिक सवारी पाए जाने,परमिट शर्तों का उल्लंघन करने वाली बसों के साथ ही, स्कूल वाहनो में विभिन्न कमियां पाए जाने पर 16 से अधिक वाहनों पर जुर्माना लगाया गया । साथ ही बिना फिटनेस के संचालित 01 स्कूल बस, 01 ट्रक सहित कुल 03 वाहन जब्त किए।

ब्लड ऑन कॉल सेंटर के चार साल पूरे, सामाजिक संस्थाओं ने दी शुभकामनाएँ

इंदौर। रक्त की एक बूंद किसी की जिंदगी बचा सकती है, और इसी संकल्प के साथ ब्लड ऑन कॉल सेंटर ने आज अपने चार वर्ष पूरे कर लिए। चार वर्षों में इस पहल के माध्यम से हजारों यूनिट रक्त जरूरतमंद मरीजों तक पहुँचाया गया, जिससे हजारों लोगों की जान बचाई गई। इस महत्वपूर्ण उपलब्धि का जश्न संचालनकर्ता शहीद ऊधम सिंह संवेदना सेवा समिति और गोल्ड कॉइन सेवा ट्रस्ट द्वारा अभिनव कला समाज में आयोजित एक भव्य कार्यक्रम में मनाया गया।

कार्यक्रम में समाज के प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने भाग लिया, जिनमें परमिंदर सिंह भाटिया, डॉ. रामु ठाकुर, नंदकिशोर व्यास और देबज्योति डे प्रमुख थे। वक्ताओं ने ब्लड ऑन कॉल सेंटर की सराहना करते हुए इसे रक्तदान के क्षेत्र में क्रांतिकारी पहल बताया, जिसने अनगिनत जरूरतमंदों को जीवनदान दिया।

भारत में हर साल 15 लाख यूनिट रक्त की कमी दर्ज की जाती है, जबकि यदि सिर्फ 1त्न युवा नियमित रूप से रक्तदान करें तो यह कमी पूरी की जा सकती है। कार्यक्रम में परमिंदर सिंह भाटिया ने चिंता जाहिर करते हुए कहा कि रक्त की मांग और पूर्ति के बीच 15त्न की कमी बनी रहती है, जो कई मरीजों के लिए जीवन-मृत्यु का प्रश्न बन जाती है।

उन्होंने एक और चौंकाने वाला तथ्य साझा किया - थैलेसीमिया के मरीजों को हर माह लगभग इतनी ही मात्रा में रक्त की आवश्यकता होती है। यदि शासन-प्रशासन और सामाजिक संस्थाएँ मिलकर प्रयास करें और युवाओं की रक्त जांच अनिवार्य कर दी जाए, तो इस बीमारी को काफी हद तक रोका जा सकता है।

पुष्कर सोनी ने बताया कि भारत में हर साल लगभग 12,000 से 15,000 बच्चे थैलेसीमिया मेजर के साथ जन्म लेते हैं, जिनका पूरा जीवन रक्त पर निर्भर करता है।

विशेषज्ञों के अनुसार, यदि विवाह के समय वर-वधू में से एक भी व्यक्ति थैलेसीमिया पॉजिटिव नहीं हो, तो यह अनुवांशिक बीमारी अगली पीढ़ी तक नहीं पहुँच सकती।

इंदौर में बर्खास्त सिपाही और ड्राइवर ने बुर्का पहन चुराए थे डेढ़ करोड़ रुपये व 25 तोला सोना

इंदौर। शुभ-लाभ प्राइम (खजराना) से डेढ़ करोड़ रुपये और 25 तोला सोने की चोरी में बर्खास्त सिपाही और लोडिंग चालक गिरफ्तार हुआ है। चोरी का षड्यंत्र सैलून संचालक शिवाली जादौन ने किया था। वह लिवइन पार्टनर अंकुश सिंह से बदला लेना चाहती थी।

घटना के बाद शिवाली रोते हुए थाने गई और चोरी की रिपोर्ट लिखवा दी। पुलिस ने एक हजार से ज्यादा सीसीटीवी कैमरे खंगाले और तीनों को गिरफ्तार किया। एसीपी (संयोगितागंज) तुषार सिंह के मुताबिक 13 मार्च को शिवाली ने चोरी का केस दर्ज करवाया था।

वार्डरोब में रखे थे रुपये- उसका गीताभवन क्षेत्र में सैलून है और अंकुश के साथ लिवइन रिलेशनशिप में रहती है। अंकुश ने कुछ दिनों पूर्व ही साकेत नगर स्थित सैलून का सौदा किया था। उसने एक करोड़ 54 लाख रुपये बैग में भरकर वार्डरोब में रखे थे। पांच लाख नकद और 25 तोला सोना

शिवाली का था।

पुलिस ने सीसीटीवी फुटेज के आधार पर शनिवार रात हीराबहादुर उर्फ हीरू थापा और पिंटू मेहरा को गिरफ्तार कर लिया। आरोपितों से 79 लाख 50 हजार नकद और सोने के आभूषण भी बरामद हुए। हीरू शिवाली का जीजा है। उसने शिवाली के इशारे पर ही चालक पिंटू के साथ मिलकर चोरी की थी।

शिवाली शादीशुदा है और उसका एक बेटा है। अंकुश लिवइन में रहने के बाद भी युवतियों के संपर्क में है। उसने बदला लेने के लिए ही चोरी की साजिश की थी। पुलिस ने शिवाली को भी साजिश के आरोप में गिरफ्तार किया है।

कार में बुर्का पहना व ढाई मिनट में फ्लैट से निकल गया थापा- हीरू बर्खास्त सिपाही है। शिवाली ने उसको चाबी और रुपयों की जानकारी दे दी। वह पिंटू और परिचालक प्रवीण के साथ सुबह पहुंच गया। शिवाली नौकरानी को लेकर निपानिया स्थित स्कूल आ गई। हीरू व पिंटू ने कार में बुर्का पहना व इमारत में घुस गए।

शू-रैक से चाबी निकाल ढाई मिनट में रुपयों व आभूषणों से भरा बैग चुरा लिया। वे बगैर नंबर के स्कूटर से भागे थे। आठ मील क्षेत्र में प्रवीण से कार (एमपी 09सीयू 4913) ली और बुर्का खोला। गुमराह करने चापड़ा (देवास) गए और लौटकर आ गए।

प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के दूसरे चरण का सर्वे, पात्र परिवार 31 मार्च तक जुड़वा सकते हैं नाम

इंदौर। प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के द्वितीय चरण के लिए सर्वे प्रारंभ हो गया है। इसमें पात्र परिवारों के नाम 31 मार्च तक स्थाई प्रतीक्षा सूची में जोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। योजना अंतर्गत केन्द्रीय मंत्री-मण्डल ने योजना को आगामी पांच वर्ष के लिये वित्तीय वर्ष 2024-25 से 2028-29 तक की मंजूरी दी है। इस संबंध में ग्रामीण विकास मंत्रालय भारत सरकार ने आवास प्लस की सूची को अद्यतन करने के लिए आवास प्लस सर्वे 2024 प्रारंभ किया है। प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण का सर्वे जिले में ग्राम पंचायत में नियुक्त किये गये सर्वेयर सचिव/रोजगार सहायक द्वारा किया जायेगा। सर्वे कार्य आवास प्लस एप-2024 से किया जाएगा। इसमें हितग्राही स्वयं के मोबाईल से भी आवेदन कर सकेंगे। इसके लिए मोबाइल एप्लीकेशन आवास प्लस 2.0 ग्रामीण विकास मंत्रालय एन.आई.सी द्वारा निर्मित किया गया है।

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

सिंहस्थ के लिए एम पी ट्रांसको की तैयारी प्रारंभ

विशेषज्ञ इंजीनियरों की टीम ने जायजा लिया प्रयागराज में महाकुंभ मेला क्षेत्र का

उज्जैन । महाकुंभ प्रयागराज में करोड़ों लोगों के लिए सफलतापूर्वक सतत विद्युत आपूर्ति करने वाले उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन सिस्टम के अध्ययन हेतु उज्जैन के तीन अधिकारियों सहित मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की एक विशेष टीम प्रयागराज के दौरे पर गई थी । इस टीम पर महाकाल नगरी उज्जैन में होने वाले आगामी सिंहस्थ के लिए ऐसी ही उत्कृष्ट और शून्य व्यवधान के साथ विद्युत आपूर्ति करने की जिम्मेदारी रहेगी ताकि सिंहस्थ के दौरान मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी की तरफ से निर्बाध विद्युत आपूर्ति हो सके।

प्रदेश के ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर के विशेष निर्देश पर बनी इस टीम में सब स्टेशन और ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस के अधिकारी शामिल हुए। टीम में उज्जैन से ट्रांसमिशन लाइन मेंटेनेंस के कार्य पालन अभियंता श्री धन सिंह भलावी, सहायक अभियंता मेंटेनेंस श्री कुमार सचिंद्र, सबस्टेशन से सहायक अभियंता श्री दिलीप धवन शामिल थे।

इसके अलावा टीम में प्रदेश के अन्य स्थानों से श्री जयप्रकाश परमार, श्री अखिलेश कुमार प्रजापति, श्री राजेंद्र सिंह राठौड़, श्री रितेश कुमार गुप्ता ,श्रीअभिषेक गुप्ता एवं श्री दीपक कुमार शामिल थे।

इस टीम ने प्रयागराज कुंभ क्षेत्र में विद्युत आपूर्ति करने वाले सब स्टेशनों तथा ट्रांसमिशन लाइनों के रखरखाव के तरीके के बारे में समझा।

साथ ही यह भी जाना की इमरजेंसी के लिए उत्तर प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन ने क्या-क्या तैयारी कर रखी थी।

टीम ने कुंभ मेला क्षेत्र में सप्लाई करने वाले 132 के व्ही जी आई एस सबस्टेशन तथा 132 के व्ही मिंटो पार्क सब स्टेशनों का भ्रमण किया तथा स्थानीय अधिकारियों तथा कर्मचारियों से क्या-क्या सावधानी रखनी चाहिए इस संबंध में जानकारी प्राप्त की।

टीम ने कुंभ मेला के दरमियान लोड मैनेजमेंट के बारे में भी जानकारी ली। इसका अनुमान लगाया कि इतनी भीड़ के समय सतत विद्युत आपूर्ति करने के लिए क्या-क्या सतर्कता ,सावधानी और सजगता बरतनी चाहिए।

रीजन कॉन्फ्रेंस में लायंस क्लब गोल्ड 14 अवॉर्ड से सम्मानित

लायन डॉ. प्रिंस कुशवाहा को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष का अवार्ड

उज्जैन। लायंस इंटरनेशनल डिस्ट्रिक 3233 जी- 2 के रीजन-7 मेहरून के रीजन चेयरपर्सन लायन रवि बंसल की रीजन कॉन्फ्रेंस श्रीपदा में लायंस क्लब उज्जैन गोल्ड को रीजन में सर्वाधिक 14 अवॉर्ड प्राप्त हुए।

क्लब के चार्टर अध्यक्ष लायन संजय सक्सेना को लायन ऑफ द रीजन, पूर्व रीजन चेयरपर्सन लायन शैलेश सोनी को ज्वेल ऑफ़ द रीज़न, लायन मनोज अग्रवाल को एक्सीलेंट सपोर्टिंग लायन, लायन डॉ. प्रिंस कुशवाहा को सर्वश्रेष्ठ अध्यक्ष, लायन गौतम शाह को सर्वश्रेष्ठ सचिव, लायन डॉ हिम्मत जनागल को श्रेष्ठ कोषाध्यक्ष और लायन डेरेक विलियम्स को मोस्ट इंफॉर्मेटिव लायन ऑफ द रीजन अवार्ड प्राप्त हुआ। गोल्ड क्लब द्वारा संचालित सिग्नेचर प्रोजेक्ट के लिए सर्वश्रेष्ठ सिग्नेचर सेवा गतिविधि अवॉर्ड, रीजन का श्रेष्ठ क्लब अवार्ड, पूर्व अध्यक्ष लायन डॉ. संजीव जैन एवं लायन राहुल पंड्या को सर्वश्रेष्ठ कार्यक्रम संचालन और लायन संजय सक्सेना को बेस्ट पिन कलेक्शन अवार्ड और सर्वश्रेष्ठ सक्सेस स्टोरी वीडियो लीडरशिप और सक्सेस स्टोरी वीडियो फोटो एलबम आदि के अवार्ड मुख्य अतिथि पीएमजेएफ लायन कुलभूषण मित्तल और विशेष अतिथि पूर्व गवर्नर लायन भगवान दास ऐरन, लायन आर जी पाठक द्वारा प्रदान किए गए।

टेपा मीडिया सम्मान पत्रकार बसंत शर्मा, जितेन्द्र सिंह, नीलेश राव को प्रदान किये जायेंगे

उज्जैन। प्रख्यात समाजसेवी स्व. लाला अमरनाथ और टेपा के संस्थापक-अध्यक्ष डॉ. शिव शर्मा जी की स्मृति को समर्पित, अंतर्राष्ट्रीय मूर्ख दिवस पर एक अप्रैल को आयोजित होने वाले 52वें अखिल भारतीय टेपा सम्मलेन में मीडिया को प्रदान किये जाने वाले सम्मान के अंतर्गत पत्रकार स्व. सत्यनारायण गोयल स्मृति सम्मान वरिष्ठ पत्रकार बसंत शर्मा को प्रदान किया जा रहा है। एडवोकेट ज्ञानस्वरूप श्रीवास्तव स्मृति सम्मान ख्यात पत्रकार जितेन्द्र सिंह चौहान को प्रदान किया जाएगा। स्व. कन्हैयालाल भूतड़ा स्मृति सम्मान फोटो जर्नलिस्ट नीलेश राव खोयरे को प्रदान किया जा रहा है।

भगत सिंह राजगुरु जैसे बलिदानी के कारण आज हम आजाद हैं

उज्जैन। भगत सिंह, सुखदेव और राजगुरु जैसे बलिदानी नहीं होता तो हम आज आजादी का सुख नहीं ले पाते, पूरा भारत वर्ष उनकी शहादत का ऋणी है। उक्त उद्गार देते हुए प्रेस क्लब अध्यक्ष विशाल सिंह हाड़ा ने आंचलिक पत्रकार संघ द्वारा आयोजित पुष्पांजलि सभा में कहा आजादी के आंदोलन से आज तक निष्पक्ष पत्रकारिता के कारण जनता के अधिकार सुरक्षित है। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार एवं कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे शंकर सिंह देवड़ा के जन्मदिन पर उनका अभिनंदन भी किया गया। अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार देवड़ा ने कहा कि 23 मार्च को पूरा देश बलिदान दिवस मनाता है और सहयोग से मेरा जन्म इसी दिन हुआ उन्होंने शहीद भगत सिंह राजगुरु और सुखदेव से प्रेरणा लेकर पत्रकारिता कार्य को आगे बढ़ने का आह्वान किया। इस अवसर पर वरिष्ठ पत्रकार सतीश गौड़ ने कहा कि बलिदानी पुरुषों को याद करना पत्रकारों की स्वस्थ परंपरा है और आज इस अवसर पर हम सब एकत्रित हुए तथा आजादी के संस्मरणों को याद किया तथा नई पीढ़ी के सामने आदर्श प्रस्तुत किया।

भविष्यदर्शी राजनेता मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव- डॉ. हरीशकुमार सिंह

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का मूलमंत्र, होली हो या दीवाली हमारा हर दिन काम करने का संकल्प

उज्जैन। 25 मार्च 1965 को जन्मे डॉ. मोहन यादव का छात्र राजनीति से मुख्यमंत्री तक का सफर आपकी दूरदृष्टि और पक्के ईरादों का प्रतिफल है। डॉ. मोहन यादव आरम्भ से ही भविष्य के लिए बड़ी योजनायें बनाने वाले, भविष्यदर्शी, विसनरी राजनेता रहे हैं और जब भी सोचते हैं बड़ा ही सोचते हैं। उच्च शिक्षित डॉ. मोहन यादव उज्जैन शहर की साहित्यिक और सांस्कृतिक विरासत से भी बखूबी परिचित हैं।

डॉ. हरीशकुमार सिंह ने कहा कि जब उज्जैन विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष बने तो सबसे पहले श्री गणेश चिंतामन मंदिर का भव्य द्वार बनवाया और उज्जैन शहर में प्रवेश के लिए चार विशाल आकर्षक द्वार बनवाये। सांवराखेडी का पुल बनवाकर सिंहस्थ और आवासीय क्षेत्र का विस्तार किया क्योंकि यह शहर की बढ़ती जनसंख्या जो नब्बे के दशक में चार करोड़ थी, आज

आठ करोड़ के आसपास है के लिए यह बहुत जरुरी था। शहर को विक्रमोत्सव जैसा आयोजन दिया और यह भी प्रतिवर्ष विशाल जनुसमुदाय के मध्य आयोजित होता है। शहर में विक्रमादित्य शोध पीठ की स्थापना की और सम्राट विक्रमादित्य पर बने महानाटक का प्रदर्शन सुदूर दक्षिण हैदराबाद तक करवा दिया और आगामी अप्रैल में दिल्ली में लाल किले पर होने जा रहा है। कर्क रेखा जो पहले उज्जैन से गुजरती थी जब यह पता चला कि अब यह उत्तर की और बढ़ गयी है तथा अब महिदपुर के डोंगला ग्राम से गुजरती है तो डॉ. मोहन यादव ने डोंगला वेधशाला स्थापित कर उसे विज्ञान और धर्म का केंद्र बनाने की ठान ली और यह कार्य अभी जारी है। डॉ. हरीशकुमार सिंह के अनुसार डॉ. मोहन यादव बड़ी सोच का बड़ा जादू वाले राजनेता हैं और मुख्यमंत्री बनते ही उनके प्रशासनिक निर्णयों ने उनकी इच्छाशक्ति को दर्शा दिया। विदेशों में किसी को सड़क से हटाने के लिए वाहनों के हॉर्न बजाने को सामने वाला अपनी बेइज्जती समझता है और अपने यहाँ ध्वनि प्रदूषण की कोई सीमा नहीं है ऐसे में सभी धार्मिक स्थलों से शोर करने वाले यंत्रों पर न्यायालय की मंशा के अनुरूप प्रतिबन्ध का निर्णय मुख्यमंत्री पद सँभालते ही लिया। आजादी के छियत्तर वर्षों के बाद भी नन्हे मुन्ने यदि खुले बोरवेल में गिर रहे हैं तो वैज्ञानिक युग में यह हमारी घोर असफलता है। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुले बोरवेलों पर संज्ञान लेते हुए सभी जिलों के कलेक्टर को इस पर ध्यान देने, और खुले बोरवेल चिह्नित कर उन्हें बंद करने को कहा। यह बताता है कि मुख्यमंत्री जी का ध्यान बड़ी - बड़ी बातों से लेकर छोटी छोटी मगर महत्वपूर्ण बातों पर भी है। उज्जैन में पिछले मार्च और अप्रैल 2024 के महीने सदैव याद किये जायेंगे जब शहर में 1 और 2 मार्च को रीजनल इंडस्ट्री कानक्लेव आयोजित की गई। दो दिवसीय इंडस्ट्री कानक्लेव में विदेशी उद्योगपति सहित देश के सैकड़ों उद्योगपति सम्मिलित हुए और उज्जैन ही नहीं पूरे प्रदेश को करोड़ों के उद्योग की सौगात दे गए। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने उद्योगपतियों से आमने सामने की चर्चा कर, सपनों को हकीकत में बदलने के सफल प्रयास किये और सांस्कृतिक अभ्युदय से समृद्धि के पथ पर प्रदेश को आगे बढाते नजर आये।

उज्जैन सीए ब्रांच के सदस्यों ने दिल्ली में ओरिएंटेशन प्रोग्राम में लिया हिस्सा

उज्जैन। दी इंस्टिट्यूट ऑफ चार्टर्ड एकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया द्वारा दिल्ली में देश की सभी ब्रांचों एवं रीजनल काउंसिल के पदाधिकारियों के लिए ओरिएंटेशन प्रोग्राम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य ब्रांच एवं रीजन के सभी पदाधिकारियों को इंस्टिट्यूट की कार्यप्रणाली, योजनाओं, अनुदानों (ग्रांट्स) एवं भविष्य में होने वाले परिवर्तनों की जानकारी देना था, ताकि सभी अपडेट रहें और मेंबर्स व छात्रों को बेहतर सेवाएं प्रदान कर सकें।

उज्जैन ब्रांच के चेयरमैन सीए अकृत जैन ने बताया कि उज्जैन ब्रांच से सीए आशीष तोतला वाइस चेयरमैन, सीए अनीश चौधरी सेक्रेटरी, सीए मनीष राठी कोषाध्यक्ष, सीए रितेश तलरेजा सिकासा चेयरपर्सन एवं सीए आतुष जैन सीपीई कन्वेनर ने दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में भाग लिया। इसके अलावा, उन्होंने आईसीएआई के प्रेसिडेंट एवं वाइस प्रेसिडेंट से मुलाकात कर उन्हें उज्जैन आने का न्योता भी दिया। इस संबंध में जानकारी ब्रांच इंचार्ज हसन चोबारावाला ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com